महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 86 | उज्जैन, शनिवार 05 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

कर्म कभी भी छोटा या बड़ा नहीं होता, छोटी या बड़ी तो सिर्फ नियत होती है जिस भाव से कर्म किया जाता है उसी भाव से उसका मूल्य तय होता है

भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करेगी सरकारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महाकाल महालोक की तर्ज पर जानापाव में भगवान श्री परशुराम लोक और भगवान श्री कृष्ण लोक का होगा विकास

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जानापाव वह गौरवशाली धरती है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि परशुराम से सुदर्शन चक्र प्राप्त किया था। यह पवित्र और गौरवशाली स्थान है। महर्षि परशुराम की जन्मस्थली और साढ़े सात नदियों के उद्गम वाले इस पावन स्थल पर जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करना सभी का सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर जिले के जानापाव में महाकाल लोक की तर्ज पर विकसित किए जाने वाले भगवान श्री परशुराम लोक एवं भगवान श्रीकृष्ण लोक के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को महर्षि परशुराम द्वारा प्रदान किया गया सुदर्शन चक्र उनके जीवन में धर्म और सत्य की रक्षा का महत्वपूर्ण अस्त्र बना। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में सत्य, धर्म, पराक्रम और पुरुषार्थ का संदेश दिया। शिशुपाल प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बुआ को दिए वचन के अनुसार शिशुपाल की सौ गलतियों तक क्षमा किया और इसके बाद धर्म की रक्षा के लिए उसका अंत किया।

5000 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को सामने लाएगी सरकार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम से गहरा संबंध रहा है। सरकार इस लगभग 5000 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को फिर से सामने लाने के लिए कार्य कर रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने मध्यप्रदेश में जहाँ-जहाँ अपने चरण रखे, उन सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार भगवान श्रीराम के चरण जहाँ-जहाँ पड़े, उन स्थलों को भी धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट धाम, जानापाव, श्रीराम के वनगमन से जुड़े आश्रम और अन्य पौराणिक स्थलों के साथ भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को भी विकसित करने की योजना है। भगवान श्रीकृष्ण के मध्यप्रदेश से संबंध को दर्शाने वाले स्थलों में रुक्मिणी हरण से जुड़े क्षेत्र तथा धार जिले में हुए युद्ध से संबंधित स्थानों को भी विकसित कर उनके गौरवशाली इतिहास को जीवंत किया जाएगा।

महाकाल लोक की तर्ज पर 17 करोड़ रूपये से विकसित होगा परशुराम लोक और श्रीकृष्ण लोक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में बड़ा परिवर्तन आया है। महाकाल लोक के विकास के बाद उज्जैन में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी दिशा में जानापाव को भी देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र और आध्यात्मिक चेतना पीठ के रूप में विकसित किया जा रहा है। महाकाल लोक की तर्ज पर लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से 'श्रीपरशुराम लोक' एवं 'श्रीकृष्ण लोक' का निर्माण किया जाएगा।

परियोजना के अंतर्गत यज्ञ कुंड का पुनर्विकास, भव्य ऑडिटोरियम, ध्यान कुटीर, हर्बल गार्डन, लैंडस्केपिंग, बहुउद्देशीय भवन तथा जनसुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए पहाड़ी पर रोपवे निर्माण भी कार्य योजना में शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

बुलंदशहर से पकड़ा गया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज, CJP प्रोटेस्ट में निशु आजाद के पिता का सिर फोड़ने का आरोप

नई दिल्ली/ जीएनएस। CJP प्रोटेस्ट में शामिल रहीं निशु आजाद के पिता पर प्रदर्शन के दौरान हमला करने के आरोपित इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से हिरासत में लिया गया है। उसे दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को हंगामे के बाद हिरासत में लिया है। मामला एक वीडियो क्लिप वायरल होने के बाद चर्चा में आया, जिसमें भारद्वाज ने कथित तौर पर निशु के पिता का सिर फोड़ने का दावा किया था। वायरल वीडियो में स्वतंत्र भारद्वाज निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर हमले को लेकर कथित तौर पर बयान देते नजर आए। वीडियो में उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान संजय कुमार के सिर पर गंभीर चोट लगी और उन्हें 60 टांके लगे। वीडियो में भारद्वाज ने यह भी कथित तौर पर कहा कि गंभीर आरोपों के बावजूद उन्हें जेल नहीं भेजा गया और वह रातभर बाहर रहे। इसके बाद सीजेपी, जिसने जंतर-मंतर पर जुलाई में प्रदर्शन आयोजित किया था, ने आरोपित के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि निशु आजाद के पिता संजय कुमार के मामले में दर्ज एफआईआर को लेकर संगठन ने पुलिस के सामने कई मांगें रखीं। उन्होंने सवाल उठाया कि संजय कुमार के सिर में गंभीर चोट लगने के बावजूद मामले में हत्या के प्रयास से संबंधित धारा 307 क्यों नहीं लगाई गई। सौरव दास ने कहा कि स्वतंत्र भारद्वाज ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कथित तौर पर हत्या के प्रयास से जुड़ा दावा किया था। इसे लेकर सीजेपी ने मामले में धारा 308 लगाने की मांग भी की। संगठन ने दलित परिवार से जुड़े मामले में एससी-एसटी एक्ट के प्रविधानों को लागू करने और आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी कानूनी टीम भेजी, जबकि सीजेपी के वकील भी प्रतिनिधिमंडल के साथ मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त डीसीपी से मुलाकात कर मामले में कार्रवाई की मांग की। सौरव दास के अनुसार, पुलिस अधिकारियों को बताया गया कि राष्ट्रीय राजधानी में इस तरह की हिंसा स्वीकार्य नहीं है।

बिहार में बढ़ेगा शहरों का दायरा, 15 सितंबर के बाद बनेंगे नए नगर निकाय; सरकार ने जारी की गाइडलाइन

पटना/ जीएनएस। राज्य में नए नगर निकायों के गठन और पुराने नगर निकायों के उत्क्रमण व क्षेत्र विस्तार की प्रक्रिया 15 सितंबर के बाद शुरू होगी। इसके पहले नगर विकास एवं आवास विभाग ने सभी जिला पदाधिकारियों से बिहार नगरपालिका अधिनियम के प्रविधानों के आधार पर प्रस्ताव मांगा है। प्रस्ताव के साथ क्या-क्या जानकारी देनी होगी इसकी बकायदा गाइडलाइन जारी की गई है। विभाग के सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2020 में नगरपालिका अधिनियम में संशोधन के बाद जिलों से मिले प्रस्तावों के आधार पर राज्य में 121 नए नगर निकायों का गठन किया गया था। इसके साथ कई नगर निकायों का उत्क्रमण और क्षेत्र विस्तार भी हुआ। इससे राज्य की शहरीकरण दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अब छोटे बाजारों और तेजी से विकसित हो रहे। जिसे देखते हुए शहरीनुमा क्षेत्रों को भी नगर निकाय का दर्जा देने पर विचार किया जाना है। 2022 की अधिसूचना में विशेष श्रेणी के क्षेत्रों के लिए नगर पंचायत की आबादी नौ हजार से अधिक और 30 हजार तक, नगर परिषद की 30 हजार से अधिक और 1.50 लाख तक तथा नगर निगम की 1.50 लाख से अधिक निर्धारित की गई है। यदि आबादी का दायरा इससे अधिक हो चुका है तो ऐसे में नए नगर पंचायत, नगर परिषद या फिर नगर निगमों का गठन किया जा सकेगा। सूत्रों ने बताया नगर निकाय बनाने के प्रस्ताव में केवल आबादी ही नहीं, बल्कि कुल कर्मियों और कृषि कर्मियों की संख्या का भी ब्योरा देना होगा।

वरिष्ठ आईपीएस अफसर जग मोहन आईबी के विशेष निदेशक नियुक्त, कई ऑपरेशन में निभा चुके हैं अहम भूमिका

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी जग मोहन को खुफिया ब्यूरो (आईबी) का विशेष निदेशक नियुक्त किया गया है। वह 1995 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वह वर्तमान में आईबी में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, नियुक्ति से संबंधित मंत्रिमंडल की समिति ने आईबी में विशेष निदेशक के पद पर मोहन की नियुक्ति को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख यानी 30 जून, 2031 तक के लिए मंजूरी दी है।

उनके बैच के पांच अन्य अधिकारियों को भी उनके संबंधित संगठनों में विशेष महानिदेशक (डीजी) स्तर के पदों पर नियुक्त किया गया है।

संदीप खिरवार और राजेश कुमार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में विशेष महानिदेशक नियुक्त किया गया है।

दोनों वर्तमान में सीआरपीएफ में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) हैं। पुनीत रस्तोगी और संतोष श्रीरामजी खंडारे को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में विशेष महानिदेशक नियुक्त किया गया है। दोनों अभी बीएसएफ में अतिरिक्त महानिदेशक हैं।

बांग्ला सिनेमा के महान अभिनेता उत्तम कुमार जन्मशती निकली भव्य पदयात्रा, सीएम शुभेंदु से उमड़ा फिल्म जगत

कोलकाता/ जीएनएस। बांग्ला सिनेमा के महान अभिनेता महानायक उत्तम कुमार की जन्मशती (100वीं जयंती) के अवसर पर गुरुवार को कोलकाता में भव्य पदयात्रा निकाली गई।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में शाम में टॉलीगंज से नंदन तक आयोजित किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में टॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों समेत बड़ी संख्या में फिल्म जगत की हस्तियां शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री ने इससे पहले सुबह टालीगंज में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर कुमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजिल अर्पित की।

वहीं, पदयात्रा में दिग्गज बांग्ला अभिनेता प्रसेनजीत चटर्जी, देव, जीत समेत कई प्रमुख कलाकारों की मौजूदगी से पूरा टॉलीगंज सितारों से जगमगा उठा।

भव्य पदयात्रा में मुख्यमंत्री के साथ अभिनेता जीत, दिग्गज अभिनेत्री ऋतुपर्णा सेनगुप्ता, विश्वनाथ बसु, इंद्राणी हलदर और अपराजिता आढ्य समेत कई कलाकार शामिल रहे।

सूचना एवं संस्कृति विभाग की राज्यमंत्री पूर्णिमा चक्रवर्ती और विधायक कौस्तव बागची भी पदयात्रा में मौजूद रहे। प्रसेनजीत, जीत, कौस्तव और यिशु सेनगुप्त महानायक की तस्वीर वाली काली टी-शर्ट पहने नजर आए जबकि शाश्वत चट्टोपाध्याय ने सफेद पंजाबी पहनी थी।

नंदन परिसर के प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, विश्वजीत चट्टोपाध्याय, संदीप राय, ममता शंकर, रंजीत मल्लिक और सावित्री चट्टोपाध्याय समेत कई दिग्गज कलाकारों ने पदयात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया।

गेटवे ऑफ इंडिया के पास अरब सागर में फेरी बोट खराब, 38 लोगों की अटकी सांसें

मुंबई/ जीएनएस। मुंबई में गुरुवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया। गेटवे आफ इंडिया के पास अरब सागर में 38 लोगों को ले जा रही एक फेरी बोट अचानक खराब हो गई।

इसमें 34 यात्री और चार क्रू मेंबर सवार थे। ये तो अच्छा रहा कि समय रहते दूसरी बोट मदद के लिए पहुंच गई और सभी को सुरक्षित गेटवे ऑफ इंडिया जेट्टी पर वापस लाया गया।

जानकारी के अनुसार, अनवारी नाम की यह फेरी बोट गेटवे आफ इंडिया से आधे घंटे की समुद्री सैर कराती है। गुरुवार रात करीब 8.30 बजे यह बोट सैर के बाद गेटवे ऑफ इंडिया की ओर लौट रही थी।

इसी समय इसमें तकनीकी खराबी आ गई। उस समय बोट गेटवे ऑफ इंडिया से करीब 1.5 नाटिकल मील दूर समुद्र में थी। समुद्र के बीच बोट रुकने से यात्रियों में दहशत फैल गई।

क्रू मेंबर ने तुरंत कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस हरकत में आई और तुरंत स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने पास में मौजूद फेरी आपरेटरों को अलर्ट किया। कुछ ही मिनटों में एक दूसरी रेस्क्यू फेरी बोट मौके पर पहुंची। उसने खराब हुई अनवारी फेरी को रस्सी से बांधकर खींचते हुए गेटवे आफ इंडिया जेट्टी की ओर लाना शुरू किया।

पुलिस, फेरी ऑपरेटर और क्रू मेंबर के बीच बेहतर तालमेल के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से पूरा हुआ। सभी 34 यात्रियों और 4 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित किनारे पर लाया गया।

अब 60 नहीं 62 साल में रिटायर होंगे जज, सुप्रीम कोर्ट का 7 राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने सात राज्यों को जजों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का निर्देश दिया है।चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि सात राज्यों में जो ज्यूडिशियल अधिकारी इस साल 31 मार्च या उसके बाद रिटायर हुए हैं, उन्हें ज्यूडिशियल ऑफिस में फिर से शामिल होने का ऑप्शन दिया जाएगा, अगर उन्हें पहले से कोई नौकरी नहीं मिली है।

बेंच ने कहा, जिन राज्यों ने ज्यूडिशियल ऑफिसर्स की उम्र बढ़ाने पर सहमति दी है (जैसे- छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल) उन्हें सर्विस नियमों में बदलाव करने और ज्यूडिशियल सर्विस में रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाकर 62 साल करने का निर्देश दिया जाता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि संबंधित ज्यूडिशियल ऑफिसर की उम्र 60 साल होने पर हाई कोर्ट उनकी सूटेबिलिटी का असेसमेंट करे।

बेंच ने कहा, नियमों में बदलाव होने तक इन राज्यों में कोई भी ज्यूडिशियल ऑफिसर, जिसने 60 साल की उम्र पूरी कर ली है, 62 साल की उम्र पूरी होने तक रिटायर नहीं होगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि संबंधित हाई कोर्ट उसकी सूटेबिलिटी और परफॉर्मेंस का असेसमेंट करे।

एफसीआरए विधेयक पर 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन, भाजपा के संजय जायसवाल होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पर विचार के लिए 31-सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति का गठन कर दिया गया है। इसकी अध्यक्षता भाजपा के लोकसभा सदस्य संजय जायसवाल करेंगे।

समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल किए गए हैं। इस समिति में लोकसभा से भाजपा के डा. संजय जायसवाल के अलावा भर्तृहरि महताब, तेजस्वी सूर्या, कमलेश जांगड़े, मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल, निशिकांत दुबे, विष्णु दयाल राम शामिल हैं।

वहीं कांग्रेस के एंटो एंटनी, कैप्टन विरियाटो फर्नांडिस, मोहम्मद हमदुल्लाह सईद, समाजवादी पार्टी के जियाउर रहमान, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी, द्रमुक के ए. राजा, तेलुगुदेशम पार्टी के लावू श्रीकृष्ण देवरायलु, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, आइयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर तथा कुछ अन्य सदस्य शामिल हैं। राज्यसभा से भाजपा सदस्य उज्ज्वल निकम, डॉ. अलका गुर्जर, हर्षवर्धन श्रृंगला, सतपाल शर्मा, राकांपा के प्रफुल्ल पटेल, जनता दल (यू) के संजय कुमार झा, कांग्रेस के क्रिस्टोफर तिलक, द्रमुक के पी विल्सन और कुछ अन्य सदस्य समिति में शामिल किए गए हैं।

कई विपक्षी दलों की आलोचना और विभिन्न परमार्थ संगठनों की मांग के बाद बीते 12 अगस्त को विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 को विस्तृत समीक्षा और संभावित सुझावों के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया था।

लोकसभा में पारित प्रस्ताव में कहा गया था कि समिति 2026 के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन तक लोकसभा को रिपोर्ट सौंपेगी। इस विधेयक में विदेशी वित्त-पोषित संगठनों पर निगरानी के साथ यह प्रस्ताव किया गया था कि लाइसेंस गंवाने वाली गैर-लाभकारी संस्थाओं की संपत्तियों को जब्त करने और इनका प्रबंधन करने के लिए एक नया प्राधिकरण बनाया जाएगा।

भारत-बेल्जियम रक्षा सहयोग को नया आयामः 10 समझौतों पर हस्ताक्षर, पाकिस्तान को हथियार न देने पर मिला आश्वासन

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी. बीवर ने गुरुवार को द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर लंबी बात की। इस व्यापक वार्ता के बाद मोदी ने पिछली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि पर जोर दिया और देश की तरक्की को दुनिया के लिए भरोसे और नए मौकों का स्रोत बताया।

दोनों नेताओं ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर करके रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही सेमीकंडक्टर व दुर्लभ खनिजों से लेकर स्वच्छ ईंधन तक के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध प्रगाढ़ बनाने की ओर कदम बढ़ाया। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

मोदी-डी बीवर वार्ता के दौरान बेल्जियम और भारतीय रक्षा उद्योग के बीच सहयोग पर 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें थेल्स बेल्जियम और कल्याणी ग्रुप के बीच किया गया समझौता भी शामिल है, जिसके तहत भारत में 70 मिलीमीटर के राकेटों का संयुक्त उत्पादन किया जाएगा।

गहरे होते रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ब्रसेल्स स्थित अपने दूतावास में एक रेजिडेंट डिफेंस अटैची की नियुक्ति की घोषणा की। इसके अलावा जल्द ही एक माइग्रेशन और मोबिलिटी समझौता करने का भी फैसला किया गया। भारत में बेल्जियम के निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म बनाया जा रहा है।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किलाभवन इंदौर में आज भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से परिचित कराने के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, कर्मयोग और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. सुचित्रा हरमलकर के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने भारतीय ज्ञान परंपरा तथा भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के दार्शनिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऊर्जा का स्वरूप निरंतर परिवर्तित होता रहता है और हमारे भीतर संपूर्ण ब्रह्मांड की ऊर्जा समाहित है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का अवतार धर्म की स्थापना और जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए हुआ। भारतीय दर्शन के अनुसार प्रत्येक युग में अवतार का उद्देश्य अव्यवस्था को व्यवस्था में परिवर्तित करना तथा धर्म की पुनर्स्थापना करना है। उन्होंने वर्तमान कलियुग के संदर्भ में भगवान विष्णु के कल्कि अवतार की अवधारणा का उल्लेख करते हुए छात्राओं से आत्मचिंतन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन केवल मुक्ति की आकांक्षा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि भक्ति के माध्यम से अपने कर्म, विचार और आचरण को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करना चाहिए। भक्ति केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कर्तव्य, सदाचार और मानवता के प्रति समर्पण का भाव भी निहित है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, कर्मयोग, कर्तव्यबोध तथा श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश को वर्तमान जीवन के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. सुचित्रा हरमलकर ने भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए श्रीमद्भगवद्गीता के प्रसिद्ध श्लोक ÷यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत÷ के माध्यम से बताया कि जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब भगवान अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना करते हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्म की कथा का वर्णन करते हुए बताया कि भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की अर्धरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म कारागार में हुआ था। उन्होंने श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व के आकर्षण को स्पष्ट करते हुए कहा कि जिसमें सकारात्मक आकर्षण है, उसमें कृष्ण-तत्व विद्यमान है। हमें इसी सकारात्मक कृष्ण-तत्व को अपने जीवन में ग्रहण करने का प्रयास करना चाहिए।

डॉ. हरमलकर ने श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय नृत्य एवं लोक-अभिव्यक्तियों में कृष्ण की अनेक लीलाओं को प्रस्तुत किया जाता है। इनमें कालियामर्दन एवं गोपियों के साथ रासलीला विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। कृष्ण की बांसुरी और रास के माध्यम से प्रेम, आनंद, समर्पण एवं आध्यात्मिक चेतना का संदेश अभिव्यक्त होता है। उन्होंने गोवर्धन पर्वत की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा की। यह प्रसंग प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता और संरक्षण का संदेश देता है। श्रीकृष्ण की लीलाएं केवल धार्मिक आख्यान नहीं हैं, बल्कि जीवन के विविध मूल्यों और भारतीय ज्ञान परंपरा की गहन दार्शनिक दृष्टि को भी अभिव्यक्त करती हैं।

कार्यक्रम में छात्रा वैदेही जैन एवं जान्हवी श्रोत्रिय ने 'श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी' गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके पश्चात प्रो. योगिता मांडलिक ने कथक कृष्ण कवित्त के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुति दी। छात्रा ध्यानी शाह ने भी कथक के माध्यम से कृष्ण गीत पर मनोहारी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अंजना चौरसिया ने किया तथा आभार प्रो. संध्या दावरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. मनीषा जोशी, वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. निशा जैन सहित महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कुशाभाऊ ठाकरे जयंती पर महापौर एवं विधायक ने प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा के पितृपुरुष एवं संगठन के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय श्री कुशाभाऊ ठाकरे जी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शांति पथ वीआईपी रोड स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला एवं भाजपा नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूर्व महापौर श्री कृष्ण मुरारी मोघे, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री दीपक जैन, श्री टीनू, महापौर परिषद सदस्य श्री अश्विनी शुक्ल, श्री निरंजन सिंह चौहान, श्री नंद किशोर पहाड़िया, पार्षद श्री कमल वाघेला, श्री गजानंद गावड़े, श्री सुरेश टाकलकर, श्री पराग कोशल, श्री राहुल जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी कुशाभाऊ ठाकरे जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कुशाभाऊ ठाकरे जी के संगठन निर्माण, राष्ट्रसेवा तथा भाजपा को मजबूत बनाने में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि ठाकरे जी का सरल जीवन, संगठन के प्रति समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना सदैव कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों और विचारों को आत्मसात करते हुए संगठन एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

शिक्षक दिवस पर 5 सितंबर को होगा शिक्षक सम्मान समारोह, उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक होंगे सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव के निर्देशन में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। श्री पहाड़िया ने बताया कि समारोह का आयोजन 5 सितंबर को प्रातः 11 बजे रविंद्र नाट्यगृह में किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रकवि एवं पूर्व विधायक श्री सत्यनारायण सत्तन तथा सेवानिवृत्त शिक्षक श्री मदन मोहन श्रीमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं सांसद श्री शंकर लालवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे। समारोह के दौरान शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकगण को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर शहर के जनप्रतिनिधियों सहित शिक्षकों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में समस्त विधायकगण, सभापति श्री मुन्नालाल यादव, महापौर परिषद के समस्त सदस्य, पार्षदगण एवं शिक्षकगण उपस्थित रहेंगे।

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड : जब पाइप लाइन के नक्शे ही नहीं थे तो 15 साल से कैसे हो रहा था रखरखाव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा दूषित पानी कांड को लेकर हाई कोर्ट में प्रस्तुत एक सदस्यीय आयोग की जांच रिपोर्ट में रोज नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं। निगम के अधिकारियों ने खुद आयोग के सामने स्वीकारा है कि भागीरथपुरा क्षेत्र की पानी और ड्रेनेज लाइन के नक्शे और दस्तावेज निगम के पास नहीं है।

इंदौर के वार्ड 60 में नहीं होगा उपचुनाव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड 60 की पार्षद सुनेहरा अंसारी की पार्षदी बरकरार रहेगी। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सुनेहरा अंसारी के निर्वाचन को शून्य घोषित करने वाले जिला कोर्ट के 17 जुलाई 2026 को सुनाए गए फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति संदीप एन भट्ट ने गुरुवार को जिला कोर्ट के आदेश पर स्टे देते हुए इस वार्ड में निर्वाचन आयोग द्वारा उपचुनाव की घोषणा को भी रोक दिया है। वार्ड में चुनावी प्रक्रिया, किसी अन्य के पदभार ग्रहण करने पर भी अंतरिम रोक लगा दी गई है।

वर्ष 2022 में हुए नगर निगम चुनाव में वार्ड 60 से सुनेहरा अंसाफ अंसारी ने लगभग पांच हजार मतों से जीत हासिल की थी। उनके निर्वाचन को चुनौती देते हुए इफ्तेखार (मुन्ना) अंसारी ने जिला कोर्ट में चुनाव याचिका प्रस्तुत की थी। इस याचिका में आरोप लगाया था कि सुनहरा अंसारी ने नामांकन फार्म के साथ अपनी संपत्ति के संबंध में जो नो-ड्यूज प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है वह गलत है।

टैक्स की गणना भी कम की गई। आरोप यह भी था कि अंसारी ने भ्रामक प्रचार किया और मतदाताओं को भ्रमित किया। 17 जुलाई 2026 को जिला कोर्ट ने याचिका स्वीकारते हुए सुनेहरा अंसाफ अंसारी का निर्वाचन शून्य घोषित कर दिया था। सुनेहरा ने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में सीविल अपील प्रस्तुत की है जिस पर गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनेहरा अंसारी की ओर से अधिवक्ता विशाल बाहेती ने तर्क रखे।

यह तर्क रखे अंसारी के वकील ने- एडवोकेट बाहेती ने तर्क रखे और कहा कि चुनाव के वक्त नगर निगम ने नियमानुसार अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया था। बाद में एक निगम कर्मचारी ने कोर्ट में रजिस्टर पेश कर दावा कर दिया कि अंसारी पर संपत्ति कर बकाया था, जबकि वह विवादित संपत्ति थी और उस वक्त याचिकाकर्ता के श्वसुर के नाम पर दर्ज थी। जिला कोर्ट में अंसारी के निर्वाचन को चुनौती देने वाले मुन्ना अंसारी की ओर से तर्क रखा गया कि सुनेहरा अंसारी के पास घोषित संपत्तियों के अलावा अन्य संपत्ति भी है। इसे छुपाया गया है।

यह कहा शासन की ओर से- शासन की ओर से तर्क रखे गए कि निर्वाचन आयोग ने वार्ड 60 की सीट को रिक्त घोषित कर दिया है। साथ ही यहां उप चुनाव की तारीख भी घोषित हो चुकी है। ऐसी स्थिति में कोर्ट को दखल नहीं करना चाहिए। चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद उसमें हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। इस संबंध में कई न्याय दृष्टांत भी कोर्ट में प्रस्तुत किए गए।

यह कहा कोर्ट ने- सभी पक्षकारों को सुनने के बाद कोर्ट ने सुनेहरा अंसाफ अंसारी को राहत देते हुए उनकी ओर से प्रस्तुत अंतरिम आवेदन स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने जिला कोर्ट के आदेश के निष्पादन और क्रियान्वयन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि इस याचिका के अंतिम निराकरण तक चुनाव आयोग या प्रशासन द्वारा उपचुनाव कराने, किसी अन्य व्यक्ति को निर्वाचित घोषित करने जैसी कोई भी परिणामी कार्रवाई नहीं की जाएगी। मामले में अब चार सप्ताह बाद फिर सुनवाई होगी। हाई कोर्ट ने माना कि मामला केवल चुनावी प्रक्रिया के बीच दखल देने का नहीं है, बल्कि एक निर्वाचित प्रतिनिधि को बिना किसी गलती के हटाने का है। कानूनन अगर किसी निर्वाचित उम्मीदवार की अपनी कोई व्यक्तिगत गलती या भ्रष्ट आचरण सिद्ध न हुआ हो, तो उसके निर्वाचन को निरस्त कर उस क्षेत्र को बिना प्रतिनिधित्व रखना मतदाताओं के साथ अन्याय है। अंसारी मतदाताओं के लोकतांत्रिक जनादेश के अनुसरण में वार्ड 60 की विधिवत निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रही हैं और मतदाताओं की इच्छा को इस प्रकार विफल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

इंदौर में अवैध मदिरा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, 50 लाख रुपये की 470 पेटियां जब्त

कनाड़िया-बिचौली हप्सी सर्विस रोड पर कंटेनर से 4,151 बल्क लीटर मदिरा बरामद, अंतरराज्यीय तस्करी की आशंका

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अवैध मदिरा के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत इंदौर जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में जिले में संचालित अभियान के क्रम में आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 50 लाख रुपये कीमत की अवैध मदिरा बरामद की है।

आबकारी विभाग की टीम को इंदौर शहर के बायपास क्षेत्र में कनाड़िया से बिचौली हप्सी के मध्य सर्विस रोड के किनारे एक आयशर कंटेनर ट्रक के संदिग्ध अवस्था में खड़े होने की सूचना मिली। संदेह के आधार पर आबकारी उपनिरीक्षक श्री आकाश मेश्राम के नेतृत्व में टीम ने कंटेनर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कंटेनर से मैकडोवेल्स नंबर वन व्हिस्की की 250 पेटियां बरामद हुईं, जिनमें 750 एमएल धारिता की बोतलें थीं। इसके अतिरिक्त ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की की 220 पेटियां भी बरामद की गईं, जिनमें 180 एमएल धारिता के पाव थे। इस प्रकार कुल 470 पेटी अवैध मदिरा जब्त की गई। बरामद मदिरा की कुल मात्रा लगभग 4,151 बल्क लीटर है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है। जप्त मदिरा की पेटियों में रखी बोतलों पर "FOR SALE IN CHANDIGARH ONLY" अंकित पाया गया। इस आधार पर प्रथम दृष्टया यह मामला अंतरराज्यीय मदिरा तस्करी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। विभाग द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्रकरण में संबंधित आरोपी, जो महेंद्रगढ़, हरियाणा का निवासी है, के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(2) क एवं 46(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है।

चूंकि मामला अंतरराज्यीय मदिरा तस्करी से संबंधित है, इसलिए जांच का दायरा व्यापक रखा गया है। आबकारी विभाग द्वारा मदिरा के स्रोत, परिवहन मार्ग, संभावित गंतव्य तथा इस अवैध तस्करी में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

जिला आबकारी विभाग, इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन, संग्रहण एवं अंतरराज्यीय तस्करी के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की संकल्प पूर्ति में अग्रणी भूमिका निभाएगा मध्यप्रदेशः मुख्यमंत्री

इंदौर में 23-24 अक्टूबर को होगी एमपी सेमीकंडक्टर समिट 2026

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के माध्यम से देश को इस क्षेत्र में सशक्त बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस संकल्प को साकार करने में मध्यप्रदेश अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर जैसे आधुनिक विज्ञान के अनेक प्रकल्पों पर बेहतरीन काम हो रहा है। इस क्षेत्र में प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार अग्रसर है। एक दौर वो था, जब चिप निर्माण के दिशा में कोई सोचता भी नहीं था। अब मध्यप्रदेश ने इस दिशा में कदम बढ़ाने के लिए ठोस निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आगामी 23-24 अक्टूबर को इंदौर में होने वाली एमपी सेमीकंडक्टर समिट-2026 के कैम्पेन पोस्टर के विमोचन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. मोहन नागर, प्रमुख सचिव विज्ञान प्रौद्योगिकी श्री एम. सेल्वेन्द्रम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार अगले महीने 23-24 अक्टूबर को इंदौर में ÷मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट 2026÷ का आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस ग्लोबल समिट में शामिल हो जा रहे सभी निवेशकों, तकनीकी विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और नीति-निर्धारकों का मध्यप्रदेश की धरती पर स्वागत करते हुए उन्हें आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी देश-प्रदेशवासियों से एकजुट होकर सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर होने के स्वप्न को साकार करने और विज़न 2047 के समृद्ध मध्यप्रदेश एवं विकसित भारत की यात्रा में सहभागी होने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने बीते ढाई वर्ष में सभी क्षेत्रों में उद्योग और व्यापार अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए 25 नई नीतियां लागू की हैं। इनसे सरलीकृत, पारदर्शी और वचनबद्धता के साथ कार्य करने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक रोजगार देने वाला, बेरोजगारी दर को न्यूनतम स्तर पर लाने वाला तथा देश-विदेश के निवेशकों का दिल और विश्वास जीतने वाला राज्य बन गया है।

चाट से लेकर गुड़िया के बाल तक में हानिकारक रंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलू की चाट-पकोड़ों को सुनहरा पीला बनाने के लिए हल्दी नहीं टारट्राजीन नामक कृत्रिम रंग डाला जा रहा है। तंदूरी वेज-नानवेज टिक्कों से लेकर मंचूरियन-मोमोस के मेरिनेशन की लाल रंगत काश्मीरी मिर्च से नहीं बल्कि उजोरुबीन नामक रंग से आ रही है।

इतना ही नहीं रंगों से लुभाते फिंगर-फ्रायम्स और गुड़िया के बाल (कॉटन केंडी) में तो रोडामाइन-बी जैसे औद्योगिक रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। देश के कई प्रदेशों में दो साल से खाद्य पदार्थों में हानिकारक रंगों के उपयोग के खिलाफ सख्ती शुरू हो गई है। इसके उलट मप्र में रंगों की मिलावट पर कार्रवाई के लिए सरकारी आदेश का इंतजार किया जा रहा है। दक्षिण के राज्यों में दो साल पहले ही गुड़िया के बाल (काटन केंडी) में रंगों के इस्तेमाल के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो चुकी है। इसके बाद महाराष्ट्र जैसे प्रदेश में भी सख्ती हुई। तमाम राज्य लाल रंग से रंगे जा रहे मंचूरियन से लेकर कबाब और रंगीन फ्रायम्स की बिक्री भी प्रतिबंधित कर चुके हैं। मप्र का हाल इसके बिल्कुल उलट है। कृत्रिम रंगों का लापरवाह इस्तेमाल काटन केंडी से आगे बढ़कर अब स्ट्रीट फूड में आम हो गया है। महीनेभर से मप्र का खाद्य व औषधी प्रशासन विभाग डेयरी उत्पादों और अन्य तरह के खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ अभियान चला रहा है।

इंदौर में 22 सितंबर से एयरपोर्ट के पास बनना शुरू होगी अंडरग्राउंड मेट्रो रेल की सुरंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में लंबे समय से धीमी गति से चल रही मेट्रो अब रफ्तार पकड़ेगी। पांच सितंबर को जहां सुपर कारिडोर से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो का व्यावसायिक संचालन शुरू होगा, वहीं सितंबर के अंत तक भूमिगत मेट्रो का निर्माण कार्य भी रफ्तार पकड़ेगा। एयरपोर्ट के पास बन रहे भूमिगत मेट्रो स्टेशन परिसर में सुरंग बनाने के लिए 410 मीट्रिक टन वजनी टनल बोरिंग मशीन को 18 मीटर गहराई में बने शाफ्ट में उतार दिया गया है।

12 सितंबर को टनल बोरिंग मशीन का एसएटी (साइट एक्सपेंस टेस्ट) किया जाएगा। इस प्रक्रिया में टनल बोरिंग मशीन का गोलाकार व्हील घुमाया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि टनल बोरिंग मशीन सुरंग बनाने के लिए तैयार है। 22 सितंबर को एयरपोर्ट के पास जमीन से 18 मीटर गहराई में मेट्रो की सुरंग बनाने का काम शुरू किया जाएगा। गुरुवार को टनल बोरिंग मशीन को जमीन में उतारने की प्रक्रिया के दौरान मेट्रो के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026ः मध्यप्रदेश के इंदौर, जबलपुर और भोपाल के (वार्ड-60) को मिलेगा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित %राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026% में मध्यप्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के ध्येय को साकार करते हुए देश में पुनः अपनी विशिष्?ट पहचान स्थापित की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ÷स्वच्छ वायु, स्वस्थ भारत÷ के दूरदर्शी विजन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल एवं पर्यावरण-हितैषी नेतृत्व में प्रदेश ने प्रदूषण नियंत्रण, हरित आवरण विस्तार और नागरिक सहभागिता की दिशा में एक स्वर्णिम अध्याय रचा है। इस राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में प्रदेश के इंदौर एवं जबलपुर को शहर स्तरीय उत्कृष्ट वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए तथा भोपाल नगर निगम के वार्ड क्रमांक-60 को वार्ड स्तरीय नवाचारों के लिए %स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार% से अलंकृत किया जाएगा। यह राष्ट्रीय सम्मान 7 सितम्बर 2026 को नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावरण भवन के गंगा ऑडिटोरियम में %स्वच्छ वायु दिवस% समारोह के अवसर पर भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव द्वारा प्रदान किया जाएगा।

स्वच्छता के शिखर पर इंदौर और जबलपुर- स्वच्छ वायु प्रबंधन में स्थापित किया नया प्रतिमान- देशभर में स्वच्छता के सर्वोत्कृष्ट प्रतिमान के रूप में स्थापित इंदौर शहर ने स्वच्छ वायु प्रबंधन के क्षेत्र में भी अपनी तकनीकी दक्षता एवं दृढ़ इच्छाशक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। इंदौर नगर निगम द्वारा प्रभावी रूप से संचालित धूल नियंत्रण उपायों, वैज्ञानिक सड़क सफाई व्यवस्था, हरित पट्टियों के निरंतर विस्तार, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के सुव्यवस्थित प्रबंधन तथा सघन जन-अभियानों ने शहर की आबो-हवा को निर्मल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। इसी श्रृंखला में जबलपुर नगर निगम ने भी स्वच्छ वायु मानकों के सर्वथा अनुकूल प्रदूषण नियंत्रण रणनीतियों, हरित पहलों और अनुकरणीय सामुदायिक भागीदारी के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रभावशीलता सिद्ध करते हुए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। दोनों ही महानगरों ने यह प्रमाणित किया है कि जन-गण की सहभागिता से संचालित प्रत्येक प्रयास पर्यावरण संरक्षण में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

भोपाल के वार्ड-60 का ऐतिहासिक नवाचार और पर्यावरण-सचेत मध्यप्रदेश का स्वर्णिम संकल्प- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम बार प्रारंभ की गई सूक्ष्म वार्ड-स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भोपाल नगर निगम के वार्ड क्रमांक-60 ने स्थानीय स्तर पर वायु गुणवत्ता सुधार और हरित विकास की जो मिसाल कायम की है, वह देश के शहरी निकायों के लिए अनुकरणीय है। वार्ड क्रमांक-60 ने वार्ड स्तर पर सघन स्वच्छता अभियानों, स्थानीय हरित आवरण संवर्धन, प्रदूषण-मुक्ति पहलों और नागरिकों की अनुशासित सहभागिता के माध्यम से इस राष्ट्रीय पुरस्कार पर अपना नाम अंकित कराया है।

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि यह अभूतपूर्व उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री मोदी के %विकसित एवं स्वच्छ भारत% के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में क्रियान्वित की जा रही सतत पर्यावरण नीतियों का प्रतिफल है। मध्यप्रदेश के नगर निकाय इसी निष्ठा और नागरिक सहभागिता के बल पर स्वच्छ वायु, हरित विकास और गुणवत्तापूर्ण जीवन के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में निरंतर अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।

1000 किलोमीटर पीछा कर हीरानगर पुलिस ने सूने मकान में चोरी करने वाले तीन आरोपियों को दबोचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सूने मकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन शातिर आरोपियों को थाना हीरानगर पुलिस ने वारदात के महज पांच दिन के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों का इंदौर से राजस्थान के खाटूश्यामजी तक करीब 1000 किलोमीटर पीछा किया और उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपियों के कब्जे से 2 लाख 85 हजार रुपये नगद सहित करीब 10 लाख 32 हजार रुपये का मशरुका बरामद किया गया है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर शहर में चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा अज्ञात आरोपियों की पतारसी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री ओमप्रकाश एवं सहायक पुलिस आयुक्त हीरानगर श्रीमती रुबिना मिजवानी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हीरानगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चोरी की इस वारदात का पर्दाफाश किया।

घटना के अनुसार 18 अगस्त 2026 को फरियादी अपने घर पर ताला लगाकर मित्र के यहां गया था। 28 अगस्त की रात करीब 2~33 बजे जब वह वापस घर पहुंचा तो मकान का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर कुछ व्यक्ति मौजूद थे, जो फरियादी को देखकर मौके से भाग गए। घर की तलाशी लेने पर गोदरेज अलमारी एवं लॉकर के ताले टूटे मिले और सामान अस्त-व्यस्त था। जांच में लॉकर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नगदी एवं अन्य कीमती सामान चोरी होना पाया गया।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए थाना हीरानगर पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित कर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाते हुए थाना क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। आरोपियों की गतिविधियों और संभावित ठिकानों की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम लगातार उनका पीछा करती हुई इंदौर से करीब 1000 किलोमीटर दूर राजस्थान के खाटूश्यामजी मंदिर क्षेत्र तक पहुंची। लगातार निगरानी और प्रभावी कार्रवाई के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक कौशल उम्र 22 वर्ष निवासी सांवरिया मंदिर के पास मूसाखेड़ी इंदौर, प्रवेश उर्फ छोटू मालवीय उम्र 20 वर्ष निवासी आईडीए बिल्डिंग मूसाखेड़ी इंदौर तथा करण अहीरवार उम्र 22 वर्ष निवासी रवि नगर आईडीए कॉलोनी मूसाखेड़ी इंदौर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से 2 लाख 85 हजार रुपये नगद, करीब 32 ग्राम वजन की सोने की चैन जिसकी कीमत लगभग 5 लाख 2 हजार 219 रुपये है, तीन अंगूठियां जिनकी कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रुपये है तथा पायजेब, बिछिया, चांदी के कड़े, कटोरी, चम्मच और चांदी के सिक्के सहित अन्य चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। बरामद मशरुका की कुल अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 32 हजार 219 रुपये बताई गई है।

महंगाई की मार के बीच बस किराए का बोझ, सिंगोली की जनता में आक्रोश

सिंगोली-मंदसौर 250 और सिंगोली-नीमच 170 किराए पर उठे सवाल; जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गोविंद सिंह साण्डा ने परिवहन व्यवस्था सुधारने की मांग उठाई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महंगाई से पहले ही परेशान आमजन पर बढ़ते परिवहन खर्च ने एक और बोझ डाल दिया है। सिंगोली से मंदसौर और नीमच आने-जाने वाले यात्रियों के सामने बस किराए को लेकर परेशानी खड़ी हो गई है। बताया गया है कि सिंगोली से मंदसौर का किराया 250 तथा सिंगोली से नीमच का किराया 170 रतनगढ़ से नीमच 110 रतनगढ़ से जावद 80 है। ऐसे में रोजाना सफर करने वाले विद्यार्थी, मजदूर, कर्मचारी, मरीज और छोटे व्यापारियों के लिए आवागमन लगातार महंगा होता जा रहा है।

इस मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गोविंद सिंह साण्डा ने चिंता जताते हुए कहा कि परिवहन सुविधा किसी भी क्षेत्र के विकास की बुनियादी जरूरत है। यदि आम नागरिक को अपने ही जिले के प्रमुख शहरों तक पहुंचने के लिए भारी किराया देना पड़े और पर्याप्त सरकारी बस सेवाएं उपलब्ध नहीं हों, तो इसका सीधा असर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ता है।

बंद रोडवेज बस सेवाओं को लेकर भी सवाल- साण्डा ने कहा कि सिंगोली क्षेत्र में पूर्व में संचालित रोडवेज बस सेवाओं में से जो सेवाएं बंद हो चुकी हैं, उन्हें पुनः शुरू किया जाना चाहिए। सरकारी बसों की नियमित और सुलभ सेवा उपलब्ध होने से यात्रियों को बेहतर विकल्प मिल सकता है और निजी बसों पर निर्भरता भी कम होगी।

उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले से जिला कांग्रेस अध्यक्ष को अवगत कराया जाएगा तथा संबंधित रोडवेज डिपो के अधिकारियों के समक्ष भी क्षेत्र की समस्या रखी जाएगी।

छह डिपो को पत्र भेजने की तैयारी- जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गोविंद सिंह साण्डा ने बताया कि वे भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बूंदी, कोटा, उदयपुर और प्रतापगढ़ डिपो को पत्र लिखकर सिंगोली क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर बस सुविधा उपलब्ध कराने तथा बंद सेवाओं को पुनः शुरू करने की मांग करेंगे।

उन्होंने कहा कि रतनगढ की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए आसपास के प्रमुख शहरों के लिए नियमित और सुविधाजनक बस कनेक्टिविटी जरूरी है। इसके अभाव में आमजन को निजी साधनों अथवा महंगी बस सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ता है।

रात्रिकालीन बसों की भी उठी मांग- साण्डा ने सिंगोली से कोटा, बांसवाड़ा और उदयपुर के लिए रात्रिकालीन बस सेवाएं शुरू करने की मांग भी रखी है। उनका कहना है कि रात के समय यात्रा करने वाले यात्रियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और अन्य जरूरतमंद लोगों के लिए इन मार्गों पर बस सेवा उपयोगी साबित हो सकती है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में संचालित रोडवेज सेवाओं को फिर से शुरू करने के साथ-साथ क्षेत्र की वर्तमान जरूरतों के अनुसार नई बस सेवाएं भी शुरू की जानी चाहिए।

जनता का सवाल–सस्ती और नियमित परिवहन सेवा कब मिलेगी- सिंगोली क्षेत्र में बस किराए और परिवहन सुविधाओं को लेकर अब आमजन के बीच सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि महंगाई के दौर में रोजाना आने-जाने का खर्च परिवार के बजट पर सीधा असर डाल रहा है।

विशेष रूप से विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, मजदूर और उपचार के लिए नीमच-मंदसौर जाने वाले मरीजों के परिजनों के लिए सस्ती और नियमित बस सेवा बेहद जरूरी है।

कांग्रेस ने कहा–जनता की आवाज प्रशासन तक पहुंचाएंगे- गोविंद सिंह साण्डा ने कहा कि यह मुद्दा किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि आम जनता की सुविधा और परिवहन अधिकार से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि वे जिला कांग्रेस नेतृत्व को पूरे मामले से अवगत कराएंगे और संबंधित रोडवेज डिपो प्रबंधकों को पत्र भेजकर क्षेत्र की समस्याओं को सामने रखेंगे।

उन्होंने मांग की कि संबंधित विभाग बस किराए की स्थिति की जांच कर यात्रियों को उचित राहत देने, बंद सरकारी बस सेवाओं की समीक्षा करने और जरूरत के अनुसार नई बस सेवाएं शुरू करने की दिशा में तत्काल कदम उठाए।

अब जवाबदेही परिवहन विभाग की- क्षेत्र के लोगों की नजर अब परिवहन विभाग और रोडवेज प्रबंधन पर है। सवाल यह है कि क्या क्षेत्र की जरूरत के अनुसार बंद पड़ी बस सेवाएं फिर शुरू होंगी क्या सिंगोली से प्रमुख शहरों के लिए पर्याप्त बसें उपलब्ध कराई जाएंगी और क्या यात्रियों को परिवहन खर्च में राहत मिल सकेगी जनता को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि नियमित, सुलभ और किफायती परिवहन सुविधा चाहिए।

दो वर्षों में 350 से अधिक नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित, 8 हजार से अधिक लोगों को मिला रोजगार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिला अब पारंपरिक कृषि एवं व्यापार आधारित अर्थव्यवस्था के साथ-साथ तेजी से उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है। पिछले दो वर्षों में जिले में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से निवेश, उत्पादन, उद्यमिता और रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों, सुगम औद्योगिक प्रक्रियाओं और रोजगार सृजन पर केंद्रित प्रयासों का प्रभाव अब जिलों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

जिले में पिछले दो वर्षों में 350 से अधिक नई एमएसएमई इकाइयां स्थापित हुई हैं। इन इकाइयों में 350 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है तथा 8 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। औद्योगिक गतिविधियों में इस विस्तार का सकारात्मक प्रभाव परिवहन, निर्माण, स्थानीय आपूर्ति, व्यापार और सेवा क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है।

नए औद्योगिक क्षेत्रों से निवेश के लिए बढ़े अवसर- नीमच जिले में औद्योगिक अधोसंरचना के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सगराना और पीताखेड़ी में नए औद्योगिक क्षेत्रों को मंजूरी मिल चुकी है। इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए 400 से अधिक औद्योगिक भूखंड उपलब्ध होंगे। इससे आने वाले समय में नए उद्योगों की स्थापना और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए व्यापक संभावनाएं निर्मित होंगी।

राज्य की क्लस्टर विकास योजना के अंतर्गत केसरपुरा एवं सगराना क्लस्टर तैयार हो चुके हैं, जबकि ग्राम दारू में क्लस्टर विकास का कार्य प्रगतिरत है। क्लस्टर आधारित औद्योगिक विकास से स्थानीय उद्यमियों को साझा अधोसंरचना, बाजार और तकनीकी सुविधाओं का लाभ मिलने की संभावना है।

7 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव- नीमच के औद्योगिक भविष्य को लेकर बड़े निवेशकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है। एमपीआईडीसी द्वारा गोल्ड क्रेस्ट सीमेंट, सनलाइट एल्कोलाइट, स्वराज शूटिंग, सुविधा रियॉन, विश्वेश्वरया डेनिम्स, बाबजी इंडस्ट्री, डिटलमाइंड इंडिया, सोनियाना टेक्सटाइल, धानुका बायोटेक, बिगासी रिन्यूवल और शर्मा केमिकल्स सहित विभिन्न प्रस्तावित औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया की गई है।

इन प्रस्तावित इकाइयों के माध्यम से 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक का संभावित निवेश और 6 हजार से अधिक नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्तावित निवेश से जिले के औद्योगिक आधार में विविधता आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालीन मजबूती मिलेगी।

एमएसएमई को मिला वित्तीय संबल -स्थानीय युवाओं और उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने एवं मौजूदा इकाइयों के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में एमएसएमई इकाइयों को बैंकों के माध्यम से 1081 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2025-26 में 1276 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया।

रतनगढ़ में कोर्ट में विचाराधीन जमीन की कैश रजिस्ट्री

पीड़ित परिवार पर घर में घुसकर हमला, मुख्यमंत्री से सुरक्षा की गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच-सिंगोली रोड पर स्थित एक घर में घुसकर पीड़ित परिवार के साथ मारपीट करने और कोर्ट से केस वापस लेने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस आपराधिक आतंक के खिलाफ पीड़ित राजेंद्र चारण ने कल टप्पा कार्यालय रतनगढ़ में नायब तहसीलदार को माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार, ग्राम मोजा गुड्डा परिहार (पटवारी हल्का डिकेन) स्थित सर्वे नंबर 421/1 मिन 3/2 की 452 आरी कृषि भूमि शंकर लाल चारण की वैध संपत्ति है, जिस पर उनका ही शांतिपूर्ण कब्जा प्रमाणित है।

उक्त भूमि का स्वामित्व विवाद वर्तमान में माननीय उच्च न्यायालय इंदौर और सिविल कोर्ट जावद में विचाराधीन है।

आरोप है कि इस बीच तथ्यों को छुपाकर और आयकर नियमों का उल्लंघन कर इस विवादित भूमि की अवैध कैश रजिस्ट्री शांति देवी माहेश्वरी के नाम करा दी गई, जिसका नामांतरण भी तहसीलदार कोर्ट पूर्व में खारिज कर चुका है।

पीड़ित राजेंद्र चारण ने बताया कि इसी रंजिश में शांति देवी के पुत्रों अनिल सोडानी और शरद सोडानी ने 27-28 अगस्त को उनके घर में घुसकर जानलेवा मारपीट की और कोर्ट से केस हटाने की धमकी दी। ग्रामीणों के बीच-बचाव से जान बची, जिसके बाद शासकीय डॉक्टर द्वारा पीड़ित का मेडिकल कराया गया। पीड़ित का आरोप है कि मुख्य आरोपी अनिल सोडानी पूर्व में बेलास्पन सोलर प्लांट चोरी मामले में जेल जा चुका है और वह खुद को पत्रकार बताकर प्रशासन पर दबाव बना रहा है तथा सोशल मीडिया पर पीड़ित परिवार को बदनाम कर रहा है। पीड़ित पक्ष ने मुख्यमंत्री से आरोपी के खिलाफ जिला बदर/रासुका के तहत कार्रवाई करने और परिवार को पुलिस सुरक्षा देने की मांग की है।

रामनगर में पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पाटीदार का भव्य स्वागत

मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा को बताया पार्टी का वफादार सिपाही

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री पवन पाटीदार अपने डीकेन प्रवास के दौरान अल्प प्रवास पर रामनगर पहुंचे। यहाँ आगमन पर भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री जसवंत बंजारा के निज निवास पर उनका अत्यंत आत्मीय और भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष पाटीदार ने जसवंत बंजारा के पारिवारिक सदस्यों से भी मुलाकात कर कुशलक्षेम जानी।

पार्टी के प्रति समर्पण और कार्यप्रणाली अनुकरणीय- पाटीदार- विशेष मुलाकात और सांगठनिक चर्चा के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री पवन पाटीदार ने मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने जसवंत बंजारा को पार्टी का सच्चा और वफादार सिपाही करार देते हुए कहा कि क्षेत्र में संगठन को जीवंत रखने और कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में पिरोकर काम करने में उनकी सांगठनिक कुशलता बेहतरीन है। बंजारा की जनता के बीच मजबूत पकड़ और पार्टी के प्रति निष्ठा आगामी कार्यक्रमों में संगठन को और अधिक गति प्रदान करेगी।

आगामी कार्यक्रमों और मजबूती पर हुआ मंथन - इस दौरान आयोजित बैठक में आगामी सांगठनिक गतिविधियों, बूथ स्तर की सक्रियता और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर सौहार्दपूर्ण माहौल में विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाने और संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

यह वरिष्ठ नेता रहे मौजूद- इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री समरथ बागवान, भाजपा अनुसूचित जाति (स्ट) मोर्चा के प्रदेश मंत्री श्री सुखलाल पवार, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री संजय पाटीदार, बूथ अध्यक्ष श्री किशोर जी एवं माही बंजारा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और ऊर्जावान कार्यकर्ता उपस्थित रहे

जिला कोषालय अधिकारी ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिला कोषालय अधिकारी श्री एल.एन. चौहान ने श्रीमती विजयाराजे सिंधिया जिला चिकित्सालय, नीमच का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न वार्डों, आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू., लेबर रूम, डायलिसिस यूनिट एवं ओ.पी.डी. का भ्रमण किया गया। चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टॉफ अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित पाए गए तथा मरीजों को उपचार प्रदान करते मिले। निरीक्षण के दौरान मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए। वार्डों में टोकन व्यवस्था का प्रभावी पालन, मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा, गुणवत्तापूर्ण भोजन, प्रत्येक बेड पर बेडशीट एवं अटेंडेंट के लिए स्टूल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पर्याप्त पेयजल, बेहतर वेंटिलेशन तथा मच्छर नियंत्रण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा गया। अस्पताल की सफाई व्यवस्था में सुधार तथा वार्डों एवं शौचालयों की नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। दवा वितरण केंद्र पर स्टॉक रजिस्टर एवं ऑनलाइन एंट्री व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए भी निर्देशित किया गया। जिला चिकित्सालय में 24×7 आकस्मिक एवं ट्रामा केयर, आई.सी.यू., सर्जिकल ऑपरेशन, एक्स-रे, सी.टी. स्कैन, डायलिसिस, ब्लड बैंक, पैथोलॉजी, प्रसूति एवं नवजात-बालरोग उपचार सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल सहित चिकित्सक एवं अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा।

श्री राणा पूंजा भील चौराहे के साइन बोर्ड पर लगाए गए फ्लेक्स को लेकर आक्रोश, आदिवासी युवा शक्ति ने एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राणा पूंजा भील चौराहा, मंदसौर के साइन बोर्ड पर लगाए गए फ्लेक्स को लेकर आदिवासी समाज में भारी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है। मामले को लेकर जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) के प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 04 अगस्त को पुलिस अधीक्षक, मंदसौर के नाम ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में मांग की गई कि घटनास्थल के सीसीटीवी कैमरों की तत्काल जांच कर फ्लेक्स लगाने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों की पहचान की जाए तथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। जयस पदाधिकारियों ने कहा कि महापुरुष श्री राणा पूंजा भीलजी आदिवासी समाज के गौरव, इतिहास और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उनके नाम से स्थापित चौराहे के साइन बोर्ड पर इस प्रकार की हरकत समाज की भावनाओं को आहत करने वाली है। ऐसे कृत्यों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जयस ने प्रशासन को 24 घंटे की समय-सीमा देते हुए कहा कि यदि इस अवधि में सीसीटीवी की जांच कर दोषियों पर उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जवाबदारी शासन-प्रशासन की रहेगी। इस दौरान जयस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और प्रशासन से मामले में निष्पक्ष जांच एवं तत्काल कार्रवाई की मांग की। यह जानकारी अनिल तंवर पूर्व जिला मीडिया प्रभारी मंदसौर ने दी।

जिलास्तरीय कलारिपयट्टू स्पर्धा संपन्न, विजेता खिलाड़ी मेडल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिला कलारिपयट्टू एसोसिएशन के तत्वावधान में आईपीएस इंग्लिश स्कूल, गांधीनगर में प्रथम जिला स्तरीय कलारिपयट्टू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा अपने-अपने वजन वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर पदक अर्जित किए।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ी अब 4 से 6 सितंबर तक इंदौर में आयोजित होने वाली तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कलारिपयट्टू प्रतियोगिता में मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश सह-संयोजक, भाजपा खेल प्रकोष्ठ शांतिलाल मालवीय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार प्रीतिपाल सिंह राणा ने की। विशेष अतिथियों के रूप में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत अध्यक्ष विजय कोठारी, आईपीएस इंग्लिश स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर भानु प्रताप सिंह राणा एवं समाजसेवी डॉक्टर गौतम वप्ता मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने विजेता एवं पदक प्राप्त खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कलारिपयट्टू एसोसिएशन के सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, अविनाश उपाध्याय, पीएम श्री गवर्नमेंट कॉलेज के खेल अधिकारी राजू कुमार, सैयद आफताब आलम सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समापन समारोह में स्वागत उद्बोधन आईपीएस इंग्लिश स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर भानु प्रताप सिंह राणा ने दिया। अतिथियों का स्वागत गगन कुरील, घनश्याम पुरोहित, धवल कुमावत, यश हीवे, असमा बी, कृष्णा गढ़िया, सोनू मेघवाल, साहिल बोरीवली, तुषार गुर्जर एवं दिव्यांश सोलंकी ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से जिले में कलारिपयट्टू खेल को बढ़ावा देने के साथ ही खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच मिला। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी अब इंदौर में होने वाली प्रतियोगिता में मंदसौर का प्रतिनिधित्व करेंगे। संचालन एसोसिएशन के सचिव गगन कुरील ने किया। आभार धवल कुमावत ने माना।

स्वदेशी जागरण मंच की बैठक में उद्यमिता अभियान पर मंथन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वदेशी जागरण मंच मंदसौर की बैठक बुधवार को दशपुर कुंज में हुई। शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की गई। बैठक में 21 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चल रहे उद्यमिता प्रोत्साहन अभियान की जिले में प्रभावी क्रियान्वयन योजना पर चर्चा हुई। युवाओं को उद्यमिता, स्वरोजगार और स्वावलंबन के लिए प्रेरित करने तथा स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। साथ ही आगामी जनजागरण, उद्यमिता प्रोत्साहन और संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। संगठन विस्तार, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने पर भी विचार हुआ। बैठक में विभाग संयोजक अंकुश पालीवाल, जिला संयोजक दिलीप चौधरी, जिला सह-संयोजक डॉ. हेमंत नामदेव, अभिजीत सिंह मंडलोई, तहसील संयोजक अभिजीत सिंह चौहान जिला विचार प्रमुख वीरेंद्र आर्य, जिला महिला कार्य प्रमुख उषा कुमावत, तहसील कार्य प्रमुख रेखा टेलर, भरत ओझा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भक्ति का महासंगमः 250 प्रभातफेरियों के साथ निकली सांवरिया सेठ की दिव्य सवारी, हरि नाम से गूंजा डीकेन सातवें कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर श्रवण पाटीदार मित्र मंडल का ऐतिहासिक आयोजन

अनोखी पहल- पहली बार नगर के सभी मंदिर

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंचल के प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र डीकेन नगर में शुक्रवार को भक्ति और श्रद्धा का एक ऐसा सैलाब उमड़ा, जिसे बरसों तक याद रखा जाएगा। श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के सप्तम वर्ष के पावन अवसर पर श्रवण पाटीदार मित्र मंडल के तत्वावधान में भगवान श्री सांवलिया सेठ की दिव्य सवारी एवं विशाल हरिबोल प्रभातफेरी का ऐतिहासिक महा चल समारोह निकाला गया। बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े और डीजे की भक्तिमय धुनों पर जब 250 से अधिक प्रभातफेरियां एक साथ सड़कों पर उतरीं, तो पूरा नगर हरे राम-हरे कृष्ण के जयघोष से अध्यात्म के रंग में सराबोर हो उठा।

द्वारिकापुरी धर्मशाला से शुरू हुआ कारवां, जगह-जगह हुई अगवानी- प्रभातफेरी का भव्य शुभारंभ शुक्रवार प्रातः 8 बजे द्वारिकापुरी धर्मशाला से महाआरती के साथ हुआ। यहाँ से शुरू हुआ आस्था का यह कारवां नगर के प्रमुख मार्गों– मुछारा मोहल्ला, गणपति चौक, चांदनी चौक, फाटक चौक, होली चौक, बारी दरवाजा और बस स्टैंड से होता हुआ गुजरा।

पूरे मार्ग में तोरण द्वार सजाए गए थे और जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पलक-पावड़े बिछाकर ठाकुर जी के रथ पर पुष्पवर्षा की।

यह विशाल जुलूस पुनः द्वारिकापुरी धर्मशाला पहुंचकर धर्मसभा में तब्दील हो गया। सांवरिया सेठ के दिव्य रथ के आगे झूमते-गाते श्रद्धालु और एक सुर में झांझ-मंजीरे बजातीं 250 प्रभातफेरियों का विहंगम दृश्य।

संतों के आशीर्वचन- हरि नाम ही जीवन का सारसमारोह के समापन पर आयोजित धर्मसभा में संत शिरोमणि पूज्य 1008 श्री कोकिल पुष्प जी महाराज के दिव्य आशीर्वचन हुए। महाराज श्री ने कहा कि सनातन संस्कृति में प्रभातफेरी और सामूहिक कीर्तन का विशेष महत्व है। हरि नाम का संकीर्तन ही मनुष्य को मानसिक शांति और मोक्ष की ओर ले जाता है।

राजनीतिक व सामाजिक दिग्गजों का लगा जमावड़ा- इस भव्य धार्मिक समागम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, जनपद अध्यक्ष गोपाल चरण, वरिष्ठ नेता पूरणमल अहीर, और जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शंभूलाल धाकड़ विशेष रूप से शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा, नीमच दक्षिण मंडल अध्यक्ष मदन गुर्जर सहित कई सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी और हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को हो रही असुविधा का ब्लॉक कांग्रेस ने किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को हो रही असुविधाओं को लेकर शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने की मांग की। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मीडिया प्रभारी सप्रिय गौतम ने बताया ज्ञापन मंडलम रेल प्रबंधक के नाम स्टेशन अधीक्षक को सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन इष्टा भाचावत ने किया। इसमें बताया कि नीमच रतलाम दोहरीकरण के बाद प्लेटफार्म क्रमांक 2 से अनेक ट्रेनों का संचालन हो रहा है। लेकिन, प्लेट फार्म पर जाने के लिए यहां रैंप व लिफ्ट का निर्माण अब तक नहीं हुआ है। ऐसे में पैदल पुल होने के बाद भी यहां यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां वरिष्ठ नागरिक, बीमार, दिव्यांग व व्हीलचेयर पर निर्भर यात्रियों को प्लेट फार्म 1 से 2 पर जाने में परेशान हो रहे हैं। इसके अलावा प्लेट फार्म 2 पर उपलब्ध अस्थाई गेट बंद कर दिया गया, प्लेट फार्म में कुलियों की व्यवस्था ना होना तथा एक ही मुख्य द्वार होने से जाम लगने जैसी समस्याएं यात्रियों की पीढ़ा को और बढ़ा रही है। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसजनों ने रैंप व लिफ्ट निर्माण होने तक प्लेट फार्म 2 का अस्थाई गेट खोला या बनाए जाने, रेलवे स्टेशन पर कुलियों की स्थाई व पर्याप्त व्यवस्था करने व रेलवे स्टेशन के बाहर वाहनों के सुगम आवागमन के लिए एंट्री व एक्जीट गेट पुन- प्रारंभ करने की मांग की। इस दौरान मंडलम अध्यक्ष अकरम खान, ब्लॉक सचिव अमीन खान, विजय सिसोदिया, सेवा दल जिलाध्यक्ष दिलीप देवडा, पूर्व पार्षद अशोक रैकवार, हेमंत कच्छवाया, राखी सत्रवाला, वर्षा सांखला, नम्रता सत्रावाला सहित कांग्रेस जन मौजूद थे।

सम्पादकीय

सर्वकालीन सम्मान के हकदार शिक्षक नेपथ्य में क्यों

वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य हैद्य डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अत्यंत सारगर्भित बात कही ÷कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें÷ द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने के बाद 5 सितंबर को उनकी स्मृति मैं पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नैसर्गिक रुप से हर संतान की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है। जीवन के संसार में प्रवेशके बाद प्रतीक ज्ञान की शालाओं के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण शिक्षकीय जीवन में छात्रों के लिए ज्ञान के दिग्दर्शन, देश के श्रेष्ठ नागरिक बनाने और मानविय संवेदनाओं को जीवन मे मार्गदर्शित करने की होती हैद्य आज शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी आमूल चूल परिवर्तन देखा गया और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं उन पर विश्वास में कुछ वर्षो में काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैसे तो यह विदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय, महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता, सहयोग रखना भी होता हैद्य शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100त्न निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें किन्तु हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना कितना न्यायोचित होगा ।

राष्ट के निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इनका दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग दिवसों में मनाया जाता हैद्य शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैंद्य किसी भी राष्ट की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वे मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत-प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकेंद्य यूरोपीय देशों में शिक्षकों के महत्व को दर्शाते हुए वहां उनका वेतन डॉक्टर, इंजीनियर, एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से अधिक प्रदान किया जाता है जिससे शिक्षक अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी के लिए समुचित आर्थिक व्यवस्था कर सके. पर भारतीय परिपेक्ष में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को न्यूनतम वेतन में संविदा नियुक्ति पर रख उनका अवमूल्यन कर दिया गया है।

उनको सम्मानीय शिक्षक का पद ना बोलते हुए शिक्षा कर्मी का पद दे दिया गया है जो कि न सिर्फ शिक्षक की गरिमा के विरुद्ध है बल्कि उनके सम्मान को भी ठेस पहुंचाती हैद्य शिक्षकों के लिए 5 सितंबर का दिवस मना कर हम इतिश्री कर लेते हैं जबकि एक आदर्श शिक्षक से उम्मीद करते हैं कि वह वह प्रशासनिक तौर पर कक्षा में आशावादी दृष्टिकोण रखने वाला एक विद्वान व्यक्ति हो, मनोविज्ञान का ज्ञान भी उसे सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप विनोदी स्वभाव के साथ हो, दूरदर्शिता एवं मिलनसार सद्गुण उसके गुणों में समाहित होना चाहिएद्य यदि इस तरह आप संपूर्ण रुप से शिक्षित, परिपक्व एवं अनुशासन प्रिय ,ईमानदार व्यक्ति को किसी की शिक्षा में नियुक्त करते हैं तो उसे उचित सम्मान उचित आर्थिक धनराशि एवं समाज में उचित स्थान देने की आवश्यकता होगी।

गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर, चाणक्य ,सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों में माने जाते हैं .डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन 40 वर्षों तक शिक्षक की कार्य किया एवं 10 वर्षों तक देश के उपराष्टपति रह कर फिर राष्टपति बने उन्होंने शिक्षक का एक आदर्श समाज के सामने रखकर देश के उच्च पद को सुभाषित किया था। वे देश के लिए एक आदर्श पुरुष,आदर्श शिक्षक और आदर्श राष्टपति के रूप में सम्मानित हुए हैं। किसी भी शिक्षक को सम्मान एवं समाज में एक प्रतिष्ठित स्थान दिया जाना चाहिए तब जाकर किसी भी देश समाज और व्यक्ति के लिए समर्पित होकर शिक्षक अपना संपूर्ण निछावर कर सकता है।

पंच ज्ञानेन्द्रियों व मन को सहस्त्रार में लय करने की कला है सहजयोग

पांचों इन्द्रिय छठामन, सम संगत सूचंत।
कहै कबीर जग क्या करे, सातों गांठ निश्चिंत 7 - संत कबीर

सब संत कवीयों ने आत्मसाक्षात्कार रूपी मधुर फल को चखा था, इसलिये उस अनुभूति का वर्णन वे सभी इतनी सूक्ष्मता से कर सके। जब साधक को आत्मज्ञान अर्थात् स्वरूपज्ञान होता है तो साधक को जो मधुर अनुभूतियां होती हैं इसका वर्णन करते हुए संत कबीर लिखते हैं, जो साधक अपनी पांचों ज्ञानेन्द्रियों को यानि कि आंख, कान, नाक जिव्हा तथा त्वचा और छठे मने को सातवें सहस्त्रार चक्र पर स्थित करता है अपनी ज्ञानेन्द्रियों को अंतर्मुखी करने की कला सीखता है, हर दिन के ध्यान योग की अभ्यास साधना में पारंगत होकर मनोजयी बनता है। सांसारिक लोभ, मोह,माया, वासना उसका कुछ भी बिगाड़ नही सकती। इस प्रकार वो मनोजयी अर्थात् मन को जीतने वाला बन जाता है।

प. पू. श्रीमाताजी द्वारा प्रणित सहज योग भी हमें मनोजयी होने की कला सिखाता है। कैसे ? सहजयोग एक स्व के तंत्र को जानने का शास्त्र है, इस योग के माध्यम से हम हमारे सूक्ष्म शरीर को जानते हैं। सहजयोग में जब हमें हमारा स्वरूप साक्षात्कार प्राप्त होता है, तो हमारी पाँचे ज्ञानेन्द्रियां अंतर्मुखी बन जाती हैं। मन एकाग्र हो जाता है और साधक अपनी माँ स्वरुपिनी कुंडलिनी शक्ति का उर्ध्वगमन महसूस कर सकता है। यह कुंडलिनी शक्ति मूलाधार में पृथ्वीतत्व को, स्वाधिष्ठान में अग्नितत्व को, नाभी में जल तत्व को, अनहद में वायुतत्व को विशुद्धि में आकाश और आज्ञा चक्र में मनतत्व को लांघकर सहस्त्रार चक्र में सदाशिव जा मिलती है। जिस अंतरंग अनुभव, का वर्णन हम कर रहे हैं, इसे विश्व के सभी सहजयोगियों ने पाया है और इस ज्ञान व योग की प्राप्ति के पश्चात् सभी साधक निर्भय, आनंदमय होकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

हर माँ घर लौटे - यही विकास की असली पहचान

जब किसी माँ की जान बचती है, तो आँकड़े में एक संख्या घटती है, लेकिन किसी घर की पूरी दुनिया बच जाती है। 122 से 87 तक पहुँचा मातृ मृत्यु अनुपात इसी बदलाव का प्रमाण है। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की सतत विकास लक्ष्य प्रगति रिपोर्ट 2026 के अनुसार, 2015-17 में प्रति लाख जीवित जन्म पर 122 माताओं की मृत्यु होती थी, जो 2022-24 में घटकर 87 रह गई। 35 की यह कमी महज गणित नहीं; यह हर एक लाख जीवित जन्म पर 35 माताओं के बचने का अर्थ है। देशभर में इससे हजारों परिवारों की दुनिया सुरक्षित हुई है। हर घटती संख्या के पीछे एक बची माँ की साँस, बच्चे की सलामत गोद और परिवार का सुरक्षित भविष्य है।

कभी प्रसव की राह में अस्पताल से पहले मजबूरियाँ खड़ी मिलती थीं। अस्पताल दूर, सड़क खराब, वाहन का भरोसा नहीं और पैसों की तंगी अलग संकट थी। अंधविश्वास और रूढ़ मान्यताएँ प्रसव को इलाज नहीं, किस्मत के भरोसे छोड़ देती थीं। कई बार घर ही प्रसव कक्ष बनता और जटिलता बढ़ने पर मदद देर से पहुँचती। अब तस्वीर बदल रही है। नियमित जाँच, आयरन की गोलियाँ, संस्थागत प्रसव और जरूरत पर एम्बुलेंस ने मातृत्व को सुरक्षित किया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और सुरक्षित मातृत्व अभियान ने भी यह भरोसा मजबूत किया है कि माँ को बचाना सुविधा नहीं, व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

इस बदलाव की जड़ें उन गाँवों की मिट्टी में हैं, जहाँ इलाज की दूरी धीरे-धीरे घटकर लोगों की चौखट तक आ गई है। तपती दोपहर हो या स्याह रात, आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं तक पहुँचती हैं, जाँच के लिए प्रेरित करती हैं, खतरे के संकेत समझाती हैं और जरूरत पड़ने पर अस्पताल पहुँचाती हैं। आंगनवाड़ी केंद्र पोषण और जागरूकता की कड़ी बनते हैं। नर्सें प्रसव कक्ष में रात-दिन डटी रहती हैं, डॉक्टर सीमित साधनों में भी जीवन बचाने की जद्दोजहद करते हैं। इसलिए मातृ मृत्यु में कमी किसी एक विभाग की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन अनाम हाथों की साझा जीत है, जिन्होंने किसी माँ को मौत की देहरी तक पहुँचने से पहले थाम लिया।

मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा दरअसल समाज की बदलती दृष्टि की कहानी भी कहता है। गर्भवती को समय पर अस्पताल पहुँचाना केवल उपचार तक पहुँचना नहीं, उसके जीवन को महत्व देना है। शिक्षित महिला खतरे के संकेत पहचानती है, सक्षम परिवार इलाज टालता नहीं और जागरूक समाज अंधविश्वास के बजाय विज्ञान का साथ चुनता है। इसलिए मातृ मृत्यु अनुपात में गिरावट स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धि भर नहीं, सामाजिक चेतना के बदलते चेहरे का आईना भी है। महिला को सिर्फ संतान जन्म देने वाली देह न मानकर अधिकार, स्वास्थ्य और सम्मान से पूर्ण मनुष्य समझना ही इस परिवर्तन की असली नींव है।

संस्थागत प्रसव का 90 प्रतिशत से ऊपर पहुँचना इस बदलाव की गहराई को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के 2023-24 के आँकड़े इसकी स्पष्ट पुष्टि करते हैं। मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा सुकून देता है, मगर सवाल भी छोड़ जाता है—क्या 87 पर संतोष किया जा सकता है? 87 अब भी शून्य नहीं है। हर मातृ मृत्यु के पीछे एक घर की बुझी रोशनी, एक बच्चे की सूनी गोद और एक पति के कंधों पर अचानक बढ़ा जिम्मेदारियों का बोझ है। इसलिए 122 से 87 तक पहुँचना बड़ी उपलब्धि है, पर इसे मंजिल मान लेना भूल होगी। विकास केवल मृत्यु अनुपात घटने पर संतुष्ट हो जाना नहीं; विकास तब सार्थक होगा, जब प्रसव के दौरान किसी माँ की मृत्यु असामान्य और अस्वीकार्य मानी जाए—जीवन की अनिवार्य कीमत नहीं।

मातृत्व सुरक्षा की असली कसौटी वहीं सामने आती है, जहाँ सुविधा की आखिरी सीमा समाप्त हो जाती है। पहाड़ी इलाकों, दूर-दराज जिलों और गरीब बस्तियों में आज भी अस्पताल तक पहुँचना आसान नहीं है। कहीं एम्बुलेंस देर से आती है, कहीं रक्त बैंक में पर्याप्त रक्त नहीं मिलता और कहीं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी जटिल स्थिति को और गंभीर बना देती है। प्रसव की आपात स्थिति में कुछ मिनट भी जीवन-मृत्यु का फैसला कर सकते हैं। इसलिए योजनाएँ बनाना भर पर्याप्त नहीं; उनका ईमानदार क्रियान्वयन, मजबूत रेफरल व्यवस्था, पर्याप्त रक्त, प्रशिक्षित स्टाफ और तेज आपात सेवाएँ जरूरी हैं। आखिरी गाँव तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाए बिना मातृ मृत्यु को निर्णायक रूप से घटाना संभव नहीं होगा।

माँ को बचाने की जिम्मेदारी की पहली शर्त है—उसे अकेला न छोड़ना। गर्भावस्था और प्रसव को केवल महिला का दायित्व मानने वाली सोच बदलनी होगी। पति पत्नी की नियमित जाँच को उतनी ही गंभीरता से ले, जितनी किसी जरूरी पारिवारिक जरूरत को। सास बहू की कमजोरी को 'सामान्य' कहकर न टाले, डॉक्टर की सलाह माने। परिवार गर्भवती के पोषण, आराम और उपचार को खर्च नहीं, भविष्य में किया गया निवेश समझे। मातृत्व सुरक्षा तभी मजबूत होगी, जब समाज माने कि माँ को बचाने की जिम्मेदारी केवल माँ की नहीं—परिवार, समुदाय और शासन की भी है।

किसी देश की प्रगति का सबसे सच्चा प्रमाण तब मिलेगा, जब प्रसव के बाद हर माँ अपने नवजात को सीने से लगाए सकुशल घर लौटेगी। जीडीपी, ऊँची इमारतें, तकनीकी उपलब्धियाँ और आर्थिक विकास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जीवन बचाने से बड़ा विकास का कोई पैमाना नहीं। 122 से 87 की यात्रा उम्मीद जगाती है, पर जिम्मेदारी भी बढ़ाती है। यह उन माताओं को मौन श्रद्धांजलि है, जो लौट नहीं सकीं, और आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कर्मियों, नर्सों, डॉक्टरों व परिवारों को सलाम है, जिन्होंने अनगिनत जिंदगियाँ बचाईं। अब 87 को पड़ाव नहीं, शून्य की ओर अगली छलांग की शुरुआत मानना होगा। क्योंकि एक माँ बचती है तो साथ में बच्चे का भविष्य, परिवार की धुरी और आने वाली पीढ़ी की उम्मीद बचती है।

-प्रो. आरके जैन

अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार के बीच बाहरी मोर्चे की चुनौती

आधिकारिक आंकड़ों में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.8 फीसदी की मजबूत दर से बढ़ने की पुष्टि के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देशवासियों से विदेश में छुट्टियों पर जाने और गैर-जरूरी सोने की खरीद से बचने की अपील की। यह अपील एक तरह से भारत के वृहद आर्थिक प्रबंधन की जटिलता को उजागर करती है। भारतीय रिजर्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, पहली तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा 4.2 अरब डॉलर यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.5 फीसदी रहा। अलग से देखें तो इसे एक सीमित घाटा कहा जा सकता है। भारत में आमतौर पर चालू खाता घाटे की भरपाई विदेशी निवेश से होती है जो घरेलू बचत का पूरक बनता है।

यद्यपि इस तिमाही में पूंजी खाते में भी 3.9 अरब डॉलर का शुद्ध बहिर्गमन दर्ज हुआ जिसका मुख्य कारण पोर्टफोलियो निवेश का बाहर जाना रहा। परिणामस्वरूप भुगतान संतुलन घाटे में चला गया। भुगतान संतुलन में लगातार बना रहने वाला घाटा मुद्रा पर दबाव डाल सकता है और अन्य वृहद आर्थिक जोखिमों को जन्म दे सकता है।

भारत के लिए चिंता की बात यह है कि पिछले दो वित्त वर्षों के दौरान भुगतान संतुलन घाटे में रहा है। ईरान युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति में आए व्यवधानों के कारण कीमतें बढ़ीं, जिससे चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका पैदा हुई। पश्चिम एशिया में तनाव समेत कई कारणों से पूंजी प्रवाह पर दबाव था। ऐसे में इस वर्ष भी भुगतान संतुलन के घाटे में रहने की आशंका थी।

इस स्थिति को देखते हुए रिजर्व बैंक ने जून में विदेशी मुद्रा स्वैप योजना शुरू की, जिसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक), यानी एफसीएनआर (बी) जमा भी शामिल थे। इस योजना को अपेक्षा से बेहतर प्रतिक्रिया मिली। इसके चलते रिजर्व बैंक ने एफसीएनआर (बी) के लिए योजना को समय से पहले बंद करने का फैसला किया। आंकड़े दिखाते हैं कि बैंकों ने इस योजना के तहत 127 अरब डॉलर की राशि जुटाई। बुधवार तक बाह्य वाणिज्यिक उधारी और विदेश में विदेशी मुद्रा ऋण सहित कुल जुटी राशि 136 अरब डॉलर से अधिक रही। इसलिए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में भुगतान संतुलन का बड़ा अधिशेष दिखने की संभावना है। यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह अधिशेष निकट और मध्यम अवधि की चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा लेकिन भारत की मूल समस्या का समाधान नहीं करेगा। वह समस्या है पर्याप्त और स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में भारत की असमर्थता। मसलन, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2025 की शुरुआत से अब तक भारतीय शेयरों में 42 अरब डॉलर से अधिक की बिकवाली की है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत को शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के रूप में 6.1 अरब डॉलर मिले। इस आंकड़े में पर्याप्त बढ़ोतरी जरूरी है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

माइक्रोफाइनैंस से बदली ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी, साहूकारों पर निर्भरता घटी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की परिभाषा के अनुसार, माइक्रोफाइनैंस या सूक्ष्म वित्त वह ऋण वह होता है जो बिना किसी रेहन के उन परिवारों को दिया जाता है जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक हो। परिवार से तात्पर्य एक इकाई से है- पति, पत्नी और उनके अविवाहित बच्चे।

माइक्रोफाइनैंस लोन लेने वाली आम तौर पर एक विवाहित महिला होती है, जिसने माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की होती है, उसके परिवार में चार सदस्य होते हैं और उसकी वार्षिक आय 3.1 लाख रुपये होती है। मुख्य रूप से ग्रामीण भारत (67.5 फीसदी) में रहने वाली यह महिला अपने परिवार की आय में सक्रिय रूप से योगदान देती है। उसके पास ग्राहक को जानें (केवाईसी) नियमों का पालन करने के लिए आवश्यक मानक पहचान पत्र होते हैं, जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर आईडी, और उसके परिवार की आजीविका का मुख्य स्रोत छोटा-मोटा व्यापार या लघु व्यवसाय होता है।

एक सामान्य माइक्रोफाइनैंस लोन कैसा होता है? इसमें औसतन 51,222 रुपये की मूल राशि, 23 महीने की अवधि और औसतन 23.9 फीसदी की ब्याज दर होती है। मुख्य शुल्कों में ब्याज, क्रेडिट लाइफ इंश्योरेंस और प्रोसेसिंग फीस शामिल हैं, साथ ही स्वास्थ्य बीमा या थर्ड-पार्टी प्रोडक्ट्स जैसी वैकल्पिक चीजें भी शामिल होती हैं। औसत मासिक किस्त 2,993 रुपये बनती है। भारत में विनियमित लघु ऋण की प्रभावशीलता पर राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) द्वारा किए गए अध्ययन से ये जानकारियां मिली हैं। अध्ययन को माइक्रोफाइनैंस उद्योग नेटवर्क (एमएफआईएन) द्वारा प्रायोजित किया गया था।

उद्योग का कुल ऋण पोर्टफोलियो 2011 में घटकर लगभग 19,500 करोड़ रुपये रह गया और ग्राहकों की संख्या भी लगभग 3.1-3.2 करोड़ से घटकर 2.64 करोड़ रह गई, क्योंकि कई ऋणदाताओं ने अपना परिचालन बंद कर दिया या नए ऋण देना रोक दिया। जून 2026 में कुल बकाया पोर्टफोलियो 3.33 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें उद्योग देश भर में लगभग 6 करोड़ सक्रिय उधारकर्ताओं को सेवाएं प्रदान कर रहा था, जिनके पास लगभग 10.6 करोड़ सक्रिय ऋण खाते थे।

एनसीईआर के नवीनतम सर्वेक्षण में 10 प्रमुख राज्यों के 50 जिलों और 300 पिन कोड में फैले 19 विनियमित संस्थाओं के 10,342 उधारकर्ताओं को शामिल किया गया। ऋण लेने वाले परिवारों ने औसतन 3,200 रुपये की मासिक बचत दर्ज की। यह निष्कर्ष राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के निष्कर्षों के अनुरूप है। घरेलू आय आवंटन के विश्लेषण से पता चलता है कि सर्वेक्षण में शामिल परिवार औसतन 16,465 रुपये प्रति माह नियमित जीवन यापन पर, 4,827 रुपये ऋण की किस्तों पर, 1,209 रुपये निवेश पर खर्च करते हैं और 3,200 रुपये बचाते हैं। कुल मिलाकर, घरेलू आय का लगभग 82.4 फीसदी दैनिक व्यय और मौजूदा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता है, जिससे वित्तीय सुरक्षा बहुत कम रह जाती है। आरबीआई के नियमों के अनुसार, आय के अनुपात में निश्चित देनदारी (एफओआईआर) 50 फीसदी तक हो सकती है। बुनियादी जीवन यापन व्यय और प्रारंभिक बचत को ध्यान में रखने के बाद, अतिरिक्त ऋण के भुगतान के लिए उपलब्ध प्रभावी अधिशेष काफी कम लगभग आय का 10 से 12 फीसदी रह जाता है । स्पष्ट है कि ऋणदाताओं के लिए नया ऋण देने से पहले परिवार के खर्चों का विस्तृत आकलन करना कितना महत्त्वपूर्ण है। हालांकि हर ऋणदाता इस प्रक्रिया का पालन नहीं करता। माइक्रोफाइनैंस संस्थानों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों, यूनिवर्सल बैंकों और लघु वित्त बैंकों जैसे विभिन्न ऋणदाताओं में भारित औसत वार्षिक ब्याज दर 27.3 फीसदी थी, जो 24.1 फीसदी से 30.3 फीसदी के बीच थी। ग्राहक के लिए गणना की गई प्रभावी ब्याज दर न्यूनतम 28 फीसदी और औसतन 33 फीसदी थी। हालांकि ये आंकड़े पहली नजर में ऊंचे लग सकते हैं, लेकिन कम आय वाले उधारकर्ताओं के लिए विकल्प कहीं अधिक महंगा है। साहूकारों द्वारा लिया जाने वाला ब्याज 97 फीसदी से 178 फीसदी के बीच होता है।

एनसीईआर द्वारा 2011 में किए गए पिछले अध्ययन में पाया गया कि अनौपचारिक ऋण सभी दर्ज किए गए ऋणों का 46 फीसदी और परिवारों द्वारा उधार ली गई कुल राशि का 47 फीसदी थे। पिछले 15 वर्षों में अनौपचारिक ऋण में आई यह भारी कमी, निम्नतम स्तर पर औपचारिक और विनियमित वित्तपोषण की ओर एक महत्त्वपूर्ण संरचनात्मक बदलाव को दर्शाती है। इसके अलावा, परिचालन दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ऋण वितरण का औसत समय मात्र छह दिन पाया गया, और 98.8 फीसदी उधारकर्ताओं ने आपात स्थितियों के दौरान समय पर ऋण प्राप्त करने की बात स्वीकार की।

सूक्ष्मवित्त से उत्पादक आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता रहता है। सर्वेक्षण में शामिल 10,342 उधारकर्ताओं में से 48.1 फीसदी ने अपने ऋण का उपयोग मौजूदा उद्यमों में निवेश करने के लिए किया, जबकि 14.4 फीसदी ने नए व्यावसायिक उपक्रमों में लगाया। अन्य 25.1 फीसदी ने कृषि या दुकान निर्माण के लिए धन का उपयोग किया।

इसका अर्थ यह है कि आरबीआई द्वारा माइक्रोफाइनैंस ऋण पर अंतिम उपयोग संबंधी प्रतिबंध हटाए जाने के बावजूद, इस क्षेत्र द्वारा दिए जाने वाले ऋण का उद्देश्य आय सृजन करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देना जारी है, यानी उधारकर्ताओं की कमाई क्षमता बढ़ाना और रोजगार सृजन करना। एनसीएईआर के 2021 में किए एक अन्य पूर्व अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि 2018-19 में माइक्रोफाइनैंस उद्योग द्वारा 1.28 करोड़ रोजगार सृजित किए गए थे। माइक्रोफाइनैंस ऋण का सामाजिक प्रभाव भी काफी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि सर्वेक्षण में शामिल 78 फीसदी उधारकर्ताओं (जिनमें से 99 फीसदी महिलाएं हैं) का कहना है कि वे अपने घरेलू आय में योगदान करते हैं। लगभग 86.4 फीसदी उधारकर्ताओं के पास दो ऋण थे और नमूने का एफओआईआर 18.7 फीसदी था, जो आरबीआई द्वारा निर्धारित 50 फीसदी की सीमा के भीतर है। हालांकि, उधारकर्ताओं को अत्यधिक ऋणग्रस्त होने से बचाने के लिए, ऋणदाताओं को ऋण अवशोषण क्षमता का अनुमान लगाने की प्रक्रिया में घरेलू खर्चों का विश्लेषण भी शामिल करना चाहिए। चूंकि परिवार अपनी आय का लगभग 82.4 फीसदी हिस्सा खर्चों और मौजूदा ऋण की किस्तों पर खर्च करते हैं, इसलिए नए ऋण की किस्तों के लिए उपलब्ध शेष आय कुल आय का केवल 8-10 फीसदी ही रह जाती है।

इस अध्ययन का एक हिस्सा सूक्ष्म वित्त उधारकर्ताओं की डिजिटल तत्परता की स्थिति को समझना भी था। सर्वेक्षण से पता चला कि 61.1 फीसदी उत्तरदाताओं के पास स्मार्टफोन थे, जबकि 26.3 फीसदी (मुख्यतः ग्रामीण भारत में) फीचर फोन का उपयोग करते थे। उधारकर्ताओं के एक छोटे लेकिन महत्त्वपूर्ण हिस्से (12.2 फीसदी) के पास किसी भी प्रकार का फोन नहीं था। और, डिजिटल रूप से ऋण चुकाने वाले उधारकर्ताओं का अनुपात लगभग 12 फीसदी ही था। इस अंतर पर वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नवप्रवर्तकों और ऋणदाताओं को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

-धनंजय राजौरा

UPI पर MDR लगाने की जरूरत नहीं, मुफ्त डिजिटल भुगतान के फायदे ज्यादा

हाल में पारित कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक 2026, का उद्देश्य यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आधारित भुगतानों पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने की अनुमति देना है। लेकिन इसके पारित होने के बाद इस बात मतभेद है कि ऐसे भुगतान हमेशा निःशुल्क बने रहने चाहिए या नहीं। यह कानून फिलहाल केवल एक मददगार है और यह मान लिया गया है कि उपयोगकर्ताओं को यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने पर कभी कोई शुल्क नहीं देना होगा। हालांकि कुछ उच्च-मूल्य वाले लेनदेन पर उन व्यापारियों को लागत वहन करनी पड़ सकती है जो उपयोगकर्ताओं को यह विकल्प उपलब्ध कराते हैं।

एमडीआर के पक्ष में रहने वाले लोग सुझाव देते है कि आखिरकार किसी न किसी को यूपीआई ढांचे को बनाए रखने में होने वाले खर्च का भुगतान करना ही होगा। लेकिन अन्य लोगों का कहना है कि इससे उच्च-मूल्य वाले भुगतानों के लिए यूपीआई महंगा हो जाएगा क्योंकि व्यापारी अंततः यह लागत उपयोगकर्ताओं पर डाल सकते हैं। एमडीआर लगाने से कुछ भुगतानों की जगह नकद ले सकता है। क्रेडिट कार्ड के मामले में कुछ व्यापारी उपयोगकर्ताओं से एमडीआर लागत के बराबर राशि वसूलते हैं। विशेषकर तब जब उनका मार्जिन बहुत कम होता है। यदि उच्च-मूल्य वाले लेनदेन के लिए यूपीआई विकल्प देने से व्यापारियों पर दीर्घकालिक लागत आती है तो वे इसे उपयोगकर्ताओं पर डालने का कोई न कोई तरीका खोज लेंगे।

यह तर्क केवल इस बात तक सीमित नहीं होना चाहिए कि यूपीआई ढांचे की लागत कैसे पूरी की जाए। क्या इन लागतों को वहन करने से वास्तव में व्यापक लाभ अर्थव्यवस्था और समाज को होगा या ये लागतें इतनी अधिक हैं कि व्यवस्था इन्हें अनिश्चित काल तक नहीं उठा सकती?

एक अनुमान के मुताबिक ये सालाना 10,000 करोड़ रुपये से 20,000 करोड़ रुपये तक होती हैं। हालांकि सटीक लागत का अनुमान लगाना कठिन है क्योंकि यूपीआई भुगतान की अधोसंरचना अक्सर बैंक की व्यापक भुगतान प्रणालियों के साथ साझा होती है। कुछ उद्योग अनुमानों के अनुसार एक यूपीआई लेनदेन की लागत 40 पैसे से 1 रुपये तक हो सकती है। खासकर जब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आधारित धोखाधड़ी के युग में साइबर सुरक्षा में अधिक निवेश की आवश्यकता को भी शामिल किया जाए।

समीकरण के दूसरे पहलू पर भी विचार करना होगा। निःशुल्क यूपीआई लेनदेन के लिए सब्सिडी देना जारी रखने के व्यापक प्रणालीगत लाभ। यहां एक नैतिक प्रश्न भी है- जब एक देश किसानों को लगभग बिना सोचे-समझे मुफ्त बिजली देता है, महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देता है, और शादियों के लिए सोना देता है, तो उन लोगों को मामूली सब्सिडी देने में क्यों हिचकिचाना चाहिए जो वास्तव में अपनी खरीद के लिए डिजिटल भुगतान करने को तैयार हैं?

पहली बात तो यह कि वास्तविक लागत यूपीआई के ढांचे को बनाए रखने में खर्च किया गया पैसा नहीं है, बल्कि इसके न होने की अवसर लागत है। यदि यूपीआई न होता तो देश के रूप में हम कितना खर्च करते? यदि हमें वही लेनदेन नकद, नोट और सिक्कों से करने पड़ते तो क्या होता? वर्तमान में 10 रुपये और 20 रुपये के नोट छापने की लागत लगभग 95 पैसे है लेकिन उच्च मूल्य वाले नोटों की लागत अधिक होती है क्योंकि उनमें नकल रोकने के लिए अधिक सुरक्षा फीचर्स की आवश्यकता होती है।

मुद्रा नोटों को पॉलिमर पर छापने का प्रस्ताव और भी महंगा होगा। हालांकि ये नोट अधिक समय तक टिक सकते हैं। 5 रुपये और 10 रुपये के सिक्के ढालने की लागत और भी अधिक है। यह अनुमानित रूप से क्रमशः 3.6 रुपये और 5.5 रुपये प्रति सिक्का है। यदि केंद्रीय बैंक और सरकार इन मुद्राओं को छापने और ढालने की लागत वहन करते हैं, तो यूपीआई क्यों अलग होना चाहिए? दूसरा, भुगतान और धन प्रवाह का पता लगाने का मुद्दा है।

एमडीआर केवल उच्च मूल्य वाले लेनदेन को कवर करेगा लेकिन पहले निःशुल्क रहे भुगतानों पर अब शुल्क लगाया जाना सामान्य उपयोगकर्ताओं को यह सोचने पर मजबूर कर सकता है कि क्या उन्हें भी लेनदेन में अधिक नकद का उपयोग करना चाहिए। व्यक्तिगत अनुभव से पता चलता है कि छोटे व्यापारी और सेवा प्रदाता जैसे टैक्सी सेवाएं, डॉक्टर, बढ़ई, प्लमर और इलेक्ट्रिशियन आदि नकद भुगतान को पसंद करते हैं। कुछ लेनदेन पर यूपीआई भुगतान को शुल्क आधारित बनाने से डिजिटल भुगतान के प्रति संकोच फिर से बढ़ सकता है।

क्या हम पीछे जाना चाहते हैं? तीसरा, यूपीआई भुगतान सटीक राशि का लेनदेन संभव बनाते हैं, जिससे खरीदार या विक्रेता को नुकसान नहीं होता। यदि आपका बिल 29.50 रुपये है तो आपको अपने बटुए में छुट्टे की कमी के कारण 50 पैसे छोड़ने की जरूरत नहीं होती। यह छोटे मूल्य वाले लेनदेन के लिए कोई मामूली लाभ नहीं है। चौथा, एमडीआर शुल्क का तर्क यह है कि यह छोटे मूल्य वाले निश्शुल्क लेनदेन की क्रॉस-सब्सिडी में मदद कर सकता है जो व्यापक जनसंख्या में यूपीआई की स्वीकार्यता का मूल है। लेकिन यह तर्क इतना मज़बूत नहीं है कि अभी सभी के लिए यूपीआई को मुफ़्त रखने के दूसरे फायदों को नज़रअंदाज़ किया जा सके।

पांचवां, बैंक पहले ही रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस), नैशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (एनईएफटी), इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमएपीएस) और क्रेडिट तथा डेबिट कार्ड के जरिये कई डिजिटल लेनदेन करते हैं। रिजर्व बैंक आरटीजीएस, एनईएफटी और आईएमपीएस पर कोई शुल्क नहीं लगाता। ऐसे में यूपीआई पर शुल्क क्यों, जबकि इसमें मुख्य अंतर लेनदेन की संख्या का है, न कि उनके मूल्य का? लेनदेन का बड़ा हिस्सा इसलिए है क्योंकि वे छोटे मूल्य वाले भुगतानों में नकद को प्रतिस्थापित करते हैं और खुदरा स्तर पर बिना किसी रुकावट के होते हैं, केवल बैंडविड्थ उपलब्धता ही एकमात्र बाधा है। यूपीआई लेनदेन पर किसी निश्चित मूल्य से ऊपर शुल्क लगाने का मामला उतना स्पष्ट नहीं है बशर्ते कि इसका उद्देश्य फिनटेक कंपनियों को लाभ पहुंचाना न हो।

छठा, यूपीआई को निःशुल्क बनाए रखना यह सुनिश्चित करेगा कि भुगतान प्रौद्योगिकी नियंत्रण में बनी रहे। रुपे डेबिट कार्ड ने घरेलू भुगतान क्षेत्र में प्रभुत्व इसलिए हासिल किया क्योंकि उसे शुल्क लेने वाले विदेशी भुगतान प्रणालियों को हटाने के लिए स्वतंत्र रूप से बढ़ने दिया गया। यूपीआई में ऐसा क्यों न हो?

सातवां, बड़े मूल्य वाले लेनदेन में भी यूपीआई का व्यापक उपयोग सरकार को स्थानीय स्तर पर उच्च मूल्य वाले नोटों की अस्थायी कमी से निपटने में सक्षम बनाता है। ऐसा चुनावों के समय होता है जब राजनेता मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़ी मात्रा में नकदी निकालते और वितरित करते हैं। इससे स्थानीय स्तर पर कभी-कभी कमी हो जाती है। निश्शुल्क यूपीआई यह सुनिश्चित करता है कि सामान्य लेनदेन अस्थायी नकदी कमी से अप्रभावित रहें। नोटबंदी के दौरान छपे 2,000 रुपये के नोट अब प्रचलन से हटा दिए गए हैं और संभव है कि किसी समय 500 रुपये के नोटों की छपाई भी घटा दी जाए ताकि काले धन के लेनदेन को हतोत्साहित किया जा सके। यूपीआई इस अंतर को पाट सकता है।

निष्कर्ष सरल है। वर्तमान में निश्शुल्क यूपीआई के सामाजिक और आर्थिक लाभ अधोसंरचना लागत से कहीं अधिक हैं। यूपीआई एक सार्वजनिक वस्तु है और इसलिए इसे निःशुल्क बनाए रखना उचित है जब तक कि भविष्य में किसी अप्रत्याशित कारण से लागत असहनीय स्तर तक न बढ़ जाए।

-सुनील कुमार महला

विश्वगीताप्रतिष्ठानम् देवास ने मनाया श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्वगीताप्रतिष्ठानम, और संस्कृतभारती देवास द्वारा गार्जियन विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर श्रीकृष्ण भगवान को माल्यार्पण मुख्य यजमान सुरेश चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी तथा प्रान्त अधिकारी नरेंद्र शर्मा एवं संगठन के वरिष्ठ सदस्यों से अर्चन मंत्रों के साथ प.अरुण कुमार शैव्य द्वारा कराया गया।

प्रारंभिक भजन जितेंद्र त्रिवेदी ने व संगठन गीत रमेश जोशी ने लिया। बालमुकुंद अष्टकम् का सस्वर पाठ कैलाश नारायण शुक्ल एवं अर्जुन द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को की गई प्रार्थना को भक्ति रस में अशोक कुलकर्णी ने तथा मधुराष्टकम् गीत अपनी मधुर आवाज में नरेन्द्र शर्मा ने, हरे कृष्ण महामंत्र का कीर्तन जितेन्द्र त्रिवेदी ने सभी से कराया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर 8 के अंक के संयोग की विस्तृत व्याख्या अरविन्द शर्मा ने बड़े ही रोचक रूप से की।

कृष्णकांत शर्मा ने श्रीकृष्ण के जीवन वृत्त पर अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम- परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। गीताजी के 15 वें अध्याय पुरुषोत्तम नाम योग का मूल पाठ डॉ मनीषा सोनी व हिन्दी अनुवाद घनश्याम जोशी ने किया जिसकी व्याख्या सरल रूप में कैलाश नारायण शुक्ल ने की। विश्वगीताप्रतिष्ठानम, संगठन का परिचय उमेश जोशी ने बताया। गार्जियन हाई स्कूल संचालक सुरेश चौहान ने अपने मुख्य यजमान उद्बोधन में कहा कि श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में अनेक गुण एक साथ समाहित हैं, वे द्वारिका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं और कई अनेकों नाम से पुकारे जाते हैं, यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए, उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय में समाये हुवे है। श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। अतः श्रीकृष्ण के जीवन वृत्त को विद्यालय के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करना चाहिए। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। जन्मोत्सव के शुभ मुहूर्त में शंख, घड़ियाल की मंगल ध्वनि के साथ जितेंद्र त्रिवेदी वसुदेव रूप में बाल कन्हैया को सिर पर रख कर पधारे, कान्हा के प्रथम दुलार का सौभाग्य प्रिया त्रिवेदी को प्राप्त हुआ। कृष्णकांत शर्मा - डॉ मनीषा सोनी ने मंगल गीत गाये, आरती के बाद माखन मिश्री का विशेष भोग अर्पित किया गया, इस अवसर पर गणमान्य नागरिकों में गेरूलाल व्यास, प्रेमनाथ तिवारी, एस एन आर्य, दिलीप गीते, शांताराम पाटिल, श्याम जोशी, नरेन्द्र दुबे, के के जोशी, सुदामा शर्मा, दिनेशचन्द्र तिवारी, पुरुषोत्तम श्रीवास्तव, श्रीमती जयश्री चौधरी, श्रीमती प्रभा वर्मा, श्रीमती शुभी बिल्लोरे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन और आभार अशोक बुनकर द्वारा किया गया।

विहिप मातृशक्ति ने मनाया रक्षाबंधन पर्व, प्रशासनिक अधिकारियों को बांधा रक्षा सूत्र

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रांतीय आह्वान पर रक्षाबंधन के पावन उपलक्ष्य में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) मातृशक्ति की बहनों द्वारा नगर सहित संपूर्ण जिला अंतर्गत रक्षा बंधन का भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अनर्गत बहनों द्वारा रक्षा सूत्र बांधे गये। बहनों द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सिर्फ एक पारंपरिक रक्षाबंधन का त्योहार ही नहीं था,अपितु संस्कार और हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति की रक्षा करने वाले सभी भाइयों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का एक बड़ा माध्यम बना। इसी कड़ी में मातृशक्ति बहनों द्वारा जिले के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) पुनीत गहलोत को भी अत्यंत आदरपूर्वक रक्षासूत्र बांधा गया और उन्हें समाज व राष्ट्र की रक्षा के उनके दायित्व की मंगलकामनाएं दी गई और मुंह मीठा करवाया। इस अवसर पर प्रशासनिक प्रमुखों ने बहनों से सस्नेह एवं ससम्मान रक्षा सूत्र बंधवाए । इस पावन अभियान की शुरुआत देवास नगर थाना क्षेत्रों से हुई, जहाँ मातृशक्ति की बहनों ने थानों में पहुंचकर थाना प्रभारियों बी एन पी प्रिति कटारिया, नहार दरवाजा आलोक सोनी, सिटी कोतवाली शशिकांत चौरसिया की आरती उतारी, चंदन तिलक लगाया और कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान संगठन की पदाधिकारियों बहनों ने बताया कि, रक्षाबंधन का यह पावन सूत्र केवल सगे भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा व सेवा करने वाले हर उस भाई के प्रति सम्मान प्रकट करने का महापर्व है जो देश के प्रति समर्पित है। इस गरिमामयी और हर्षोल्लास से भरे उत्सव में अनेक संगठन की मातृशक्ति एवं दुर्गावाहिनी की बहनों से जिला संयोजिका उज्ज्वला व्यास, दुर्गावाहिनी संयोजिका पूजा कौशल एवं मातृशक्ति निशा पंडित, साधना काले, पदमा मोघे, स्वाति तिवारी और संगठन के जिला मंत्री विजय पांचाल, विभाग प्रमुख नारायण शर्मा उपस्थित रहे।

पोलियो को मात देकर हुनर को बनाया सहारा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हौसले और हुनर के सामने शारीरिक चुनौतियां भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पातीं। मझौली के प्रदीप चक्रवर्ती इसकी मिसाल हैं। प्रदीप बचपन से ही पोलियो से ग्रसित हैं, लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने हुनर और मेहनत के दम पर घर से ही फर्नीचर बनाने का काम शुरू किया और आज इसी काम से परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। वे सालाना करीब दो से ढाई लाख रुपए तक की आय अर्जित कर लेते हैं।

प्रदीप बताते हैं कि उनके पिता सिंचाई विभाग में नौकरी करते थे और बरगी बांध के निर्माण के दौरान वहां पदस्थ रहे। बचपन में वे पिता को देखते थे कि नौकरी के कारण उन्हें घर पर रुकने का ज्यादा समय नहीं मिलता था। कई बार भोजन करने के बाद ही उन्हें वापस काम पर लौटना पड़ता था। पिता की नौकरी को देखते हुए बचपन में ही उनके मन में यह बात बैठ गई कि भविष्य में वे कुछ अलग तरह का काम करेंगे, जिससे अपने परिवार के बीच रहकर काम कर सकें।

वे बताते हैं कि उनका पारंपरिक काम ईंट से जुड़ा हुआ था, लेकिन इसमें मेहनत अधिक होती थी। उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए ऐसा काम करना उनके लिए आसान नहीं था। इसलिए उन्होंने ऐसा काम तलाशना शुरू किया, जिसे वे घर में रहकर अपनी क्षमता के अनुसार कर सकें। इसी सोच के साथ उन्होंने फर्नीचर बनाने के काम की ओर कदम बढ़ाया।

पहले ईंट का सांचा बनाना सीखा, फिर फर्नीचर बनाने में जुटे- प्रदीप बताते हैं कि पहले के समय में ईंट तैयार करने के लिए सांचा आसानी से उपलब्ध नहीं होते थे। उन्होंने खुद लकड़ी से ईंट का सांचा बनाने का काम सीखना शुरू किया। धीरे-धीरे लकड़ी के काम में उनकी पकड़ मजबूत होती गई और आज वे पलंग, सोफा सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर तैयार कर लेते हैं। वे बताते हैं कि उन्होंने यह काम किसी संस्थान या प्रशिक्षण केंद्र से नियमित रूप से नहीं सीखा। आसपास के काम और अपने अनुभव से उन्होंने हुनर विकसित किया। शुरुआत में फर्नीचर बनाने के लिए हथौड़े और दूसरे पारंपरिक औजारों का इस्तेमाल किया जाता था। अब आधुनिक तकनीक ने काम को काफी आसान कर दिया है। राउटर मशीन की मदद से फर्नीचर पर डिजाइन और मार्किंग का काम आसानी से किया जाता है।

प्रदीप इसी तकनीक का इस्तेमाल कर पलंग, सोफा और अन्य फर्नीचर तैयार करते हैं। उनका ज्यादातर काम मझौली और आसपास के स्थानीय क्षेत्र में ही होता है।

सीजी ट्यूटोरियल्स में दही हांडी का आयोजन, टीम वर्क का दिया संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था सीजी ट्यूटोरियल्स में जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें टीम वर्क और एकता का संदेश दिया गया। संस्थान में दही हांडी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं था, बल्कि छात्रों को टीम वर्क का महत्व समझाना था।

दही हांडी फोड़ने के लिए एक मजबूत मानव पिरामिड बनाना होता है, जिसमें हर सदस्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ठीक इसी तरह, जीवन में भी सफलता पाने के लिए टीम के सभी सदस्यों का एक साथ मिलकर काम करना जरूरी होता है। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों में गजब का जोश देखने को मिला। उन्होंने एक दूसरे का सहयोग करते हुए मानव पिरामिड बनाया और अंत में हांडी को फोड़कर जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया। संस्थान के संचालक ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में न केवल सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ती है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक जीवन के लिए भी तैयार किया जाता है। यह उत्सव एक शिक्षाप्रद अनुभव साबित हुआ, जिसने सभी को एक साथ मिलकर लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी। इस आयोजन में संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण भी किया गया, जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो गया। सी जी ट्यूटोरियल्स के संचालक आशीष गुप्ता ने बताया कि विद्यार्थी समूह में कैसे कार्य करें और वह कार्य जो समूह में होता है उसके परिणाम कितने अच्छे रहते हैं यह सिखाने के लिए दही हांडी का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ हिस्सा लिया संस्था पर इस प्रकार के आयोजन वर्ष भर होते रहते हैं, जिसमें विद्यार्थी समूह में कार्य करना व अन्य संस्कार सीखते हैं।

द गार्जियन स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्साहपूर्वक मनाई गई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द गार्जियन स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया तथा विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण, बलराम और गोप-गोपियों की मनमोहक वेशभूषा धारण कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित रंगारंग नृत्य, भजन एवं नाट्य प्रस्तुतियाँ दी गईं। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मटकी फोड़, झांकी एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के संचालक सुरेश चौहान ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेम, सत्य, कर्तव्य एवं सदाचार की प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्टाफ सदस्यों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आनंद लिया और विद्यालय में भक्ति एवं उत्सव का वातावरण बना रहा।

खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्ती से करें कार्यवाही - कलेक्टर

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम तथा ऐसे मामलों में की जा रही कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से जांच एवं निरीक्षण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री वानखडे ने कहा कि खनिज संपदा शासन की महत्वपूर्ण संपत्ति है। इसके अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण से शासन को राजस्व की क्षति होने के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों, खनिज परिवहन मार्गों एवं संभावित अवैध उत्खनन स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्यवाही की जाए। उन्होंने खनिज विभाग, राजस्व, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए संयुक्त रूप से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों अथवा वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

कानून व्यवस्था को लेकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने की समीक्षा, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयूर खंडेलवाल की संयुक्त अध्यक्षता में जिले की कानून व्यवस्था के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही तथा विभिन्न प्रकरणों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान बंधपत्र प्रकरण, शस्त्र निलंबन से संबंधित प्रकरण, भूमि विवाद प्रकरण, जिला बदर प्रकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा की गई। अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्यवाही के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था से जुड़े सभी प्रकरणों में नियमानुसार एवं समय-सीमा के भीतर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा संवेदनशील एवं विवादित मामलों में प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्यवाही करें। पुलिस अधीक्षक श्री मयूर खंडेलवाल ने जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को असामाजिक एवं आपराधिक गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित करने के निर्देश

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी महत्वपूर्ण पर्व श्री गणेशोत्सव को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देशित किया है कि आगामी गणेशोत्सव पर्व के दौरान जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए अपने-अपने अनुविभाग स्तर पर शांति समिति की बैठक तत्काल आयोजित करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही संबंधित तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में थाना स्तरीय शांति समिति की बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रहती है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समय रहते समीक्षा किया जाना जरूरी है। शांति समिति की बैठकों में जनप्रतिनिधियों, गणेश उत्सव समितियों, सामाजिक संगठनों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों से चर्चा कर पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए आवश्यक सुझाव एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी- कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुभाग सीमा क्षेत्र में सतत निगरानी रखने तथा कानून व्यवस्था से संबंधित किसी भी स्थिति पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि पर्व के दौरान संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष नजर रखी जाए तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रशासन एवं पुलिस के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखा जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी पर्वों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए अधिकारी पूर्व से आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए गणेशोत्सव सहित आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

कुरवाई विकासखंड की 20 गौशालाओं को मार्च 2026 तक कुल 4 करोड़ 22 लाख 55 हजार 960 रुपये की राशि जारी हुई

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले के कुरवाई विकासखंड में निराश्रित और बेसहारा गौवंश के भरण-पोषण व बेहतर देखभाल के लिए शासकीय-अशासकीय गौशालाओं को पंजीयन प्रारंभ से मार्च 2026 तक 20 गौशालाओं को मार्च 2026 तक कुल 4 करोड़ 22 लाख 55 हजार 960 रुपये की राशि जारी की गई है। राशि जारी करने का मुख्य उद्देश्य निराश्रित और बेसहारा गौवंश के भरण-पोषण तथा बेहतर देखभाल को सुनिश्चित करना है तथा गौवंश को चारा, भूसा और दाना उपलब्ध कराना, ताकि गौवंश को पर्याप्त आहार मिल सके। पानी, शेड और अन्य बुनियादी सुविधाओं का रखरखाव करना भी इसका मुख्यतम उद्देश्य है।

गौ संवर्धन बोर्ड द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार कुरवाई विकासखंड की 20 ग्राम पंचायतों की 20 गौशालाओं को यह राशि जारी की गई है जिसमें 17 शासकीय गौशाला और 3 अशासकीय गौशाला शामिल हैं। जिन 17 शासकीय गौशालाओं को राशि जारी हुई है जिसकी ग्राम पंचायत वार जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत मालिया खेड़ा की श्री राधे कृष्ण लीलावती गौशाला को 1692960 रुपए, ग्राम पंचायत श्यामपुर गुदावल की श्री गोपेश्वरी गौशाला को 169580 रुपए, ग्राम पंचायत धूवा की शांति गौशाला समिति को 2806810 रुपए, ग्राम पंचायत का काछी कुम्हारिया की कामदगिरि गौशाला को 1168520 रुपये, ग्राम पंचायत बरखेड़ा लायरा की कामधेनु गौशाला को 3586850 रुपए, ग्राम पंचायत भौंरासा की गोपाल गौशाला समिति को 3184540 रुपये, ग्राम पंचायत महलुआ की गोपाल गौशाला समिति को 3117590 रुपए, ग्राम पंचायत भाल बामोरा की श्री बांके बिहारी गौशाला को 1819760 रुपए, ग्राम पंचायत रूसिया की श्री कृष्ण गौशाला को 3247820 रुपए, ग्राम पंचायत जाजपोन की गौशाला ग्राम पंचायत को 1988950 रुपए, ग्राम पंचायत भाल बामोरा की श्री कृष्ण मुरारी गौशाला को 2446200 रुपये, ग्राम पंचायत छपारा की श्री गोपाल गौशाला को 1089040 रुपये, ग्राम पंचायत पठारी की श्री गोविंद गोपाल गौशाला को 2209970 रुपए, ग्राम पंचायत पैरखेड़ी की श्री राम गौशाला को 2210790 रुपये, ग्राम पंचायत बड़ोह की श्री कृष्ण गौशाला को 2029480 रुपए, ग्राम पंचायत बरखेड़ा पठारी की श्री कृष्ण गौशाला को 3177700 रुपये और ग्राम पंचायत छीरखेड़ा की शासकीय गौशाला समिति को 373640 रुपये की राशि जारी हुई है।

ग्वालियर में गूंजी कान्हा की भक्ति, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मंदिरों में सजीं भजन संध्याएं

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के द्वारिकाधीश मंदिर, गंगादास की बड़ी शाला और भितरवार के राधाकृष्ण मंदिर में उमड़ा भक्तिरस, ख्यात भजन गायकों ने दी मनोहारी प्रस्तुतियां

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा प्रतिपादित कर्मयोग, सद्भाव और लोककल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा श्रीकृष्ण की भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक परंपरा से आमजन को जोड़ने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर ग्वालियर जिले में भी विभिन्न श्रीकृष्ण मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष श्रीकृष्ण भजन संध्याओं का आयोजन किया गया। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इन भक्तिमय कार्यक्रमों से ग्वालियर अंचल कृष्णमय हो उठा। ग्वालियर शहर में "श्रीकृष्ण पर्व" के तहत मुरार स्थित द्वारकाधीश मंदिर, संस्कृति विभाग के श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा 'घर-घर गोकुल, घर-घर गोपाल' कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं रानी लक्ष्मीबाई कॉलोनी स्थित बाबा गंगादास की बड़ी शाला में भी भक्ति संगीत संध्या हुई।

दोनों आयोजनों में कृष्ण भक्ति के विविध रंग दिखाई दिए। द्वारकाधीश मंदिर में कार्यक्रम का शुभारंभ हॉकी इंडिया के पदाधिकारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ गायक पंडित उमेश कंपूवाले ने 'चलो मन वृंदावन की ओर', 'राणा जी मैं तो गोविंद के गुण गाऊं', 'दरस बिन दुखन लागे नैन' और 'जय मीरा के गिरधर' सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी गायकी में भक्ति के साथ शास्त्रीय संगीत की गहराई भी अनुभव हुई। पंडित कंपूवाले के साथ उनके शिष्यों अजय प्रताप सिंह, हमीर कंपूवाले, रुचि सासोदे, रुचि पराड़कर, सोनिया अग्रवाल और अरुणीता द्विवेदी ने गायन में संगति की। तबले पर डॉ. मनीष करवड़े, हारमोनियम पर अक्षत मिश्रा तथा कीबोर्ड पर हर्ष भाटिया और रचित शर्मा ने संगत दी। मंच संचालन अनिकेत तारलेकर ने किया।

सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम बाथम एवं सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला के महंत पीठाधीश्वर रामसेवक दास महाराज के सानिध्य में आयोजित संगीत संध्या में युवा गायक श्री पीयूष तांबे ने श्रीकृष्ण के भजनों को अपनी भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया। 'बाजे मुरलिया', 'वो काला एक बाँसुरीवाला', 'ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन', 'राधा ऐसी भई श्याम की दीवानी' और 'जैसे बड़ी है भई नंदलाला' जैसे भजनों ने वातावरण को कृष्णमय बना दिया। कीबोर्ड पर मुनेन्द्र परिहार और तबले पर पुनीत द्विवेदी ने प्रभावी संगत की। भितरवार के राधाकृष्ण मंदिर में भोपाल से पधारीं सुश्री दीपिका पुरोहित एवं उनके साथियों तथा जबलपुर से आए प्रसिद्ध भजन गायक श्री ईशान मिनोचा एवं उनके साथियों ने कर्णप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को कृष्णमय बना दिया। इन आयोजनों की विशेषता केवल भजनों की प्रस्तुति नहीं रही, बल्कि यह रही कि संगीत ने जन्माष्टमी के धार्मिक उत्सव को सांस्कृतिक अनुभव में बदल दिया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर श्रद्धा भाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

ग्वालियर / दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में नन्हे-मुन्ने बच्चों और उनके अभिभावकों की सहभागिता से श्रद्धा, उल्लास और भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में सज-धजकर उत्सव की सुंदर छटा बिखेरी और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र पंजाबी मोहल्ला एवं रमटापुरा-1 पर विशेष आयोजन किया गया। केन्द्र को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा बच्चों ने श्रीकृष्ण एवं राधा के मनोहारी स्वरूप धारण किए। बालिकाओं एवं बच्चों ने भजन, गीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप, उनके जीवन-मूल्यों तथा प्रेम, करुणा, मित्रता और सत्य के संदेश से परिचित कराया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति और हमारी समृद्ध परंपराओं के प्रति रुचि एवं सम्मान विकसित करने का प्रयास किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेल, रचनात्मक गतिविधियों और सांस्कृतिक आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्सव बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें सामूहिक सहभागिता, आत्मविश्वास और रचनात्मकता की भावना भी विकसित करते हैं। उत्सव के दौरान बच्चों के चेहरे पर कृष्ण-कन्हैया के बाल रूप की मासूमियत और उल्लास देखते ही बन रहा था।

शिक्षक दिवस का कड़वा सच -जहां गुरु उठा रहे पानी की केन और प्यासे तड़प रहे 65 मासूम

मंचों पर सम्मान, धरातल पर पानी की केन ढोने को मजबूर गुरुजी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक तरफ जहां शिक्षक दिवस पर बड़े-बड़े मंचों से गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु के जयघोष हो रहे हैं और प्रशासनिक दावों के ढोल पीटे जा रहे हैं, वहीं शासकीय प्राथमिक विद्यालय डेरखा का कड़वा सच पूरी व्यवस्था और जिम्मेदार अफसरों के गाल पर करारा तमाचा है। यहाँ पदस्थ शिक्षक बालाराम भाभर और अनिल सोलंकी को बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ रोज दूर किसी कुएं या हैंडपंप से पानी की भारी केन ढोकर लानी पड़ रही है। इससे भी अधिक शर्मनाक बात यह है कि इसी विद्यालय भवन में आंगनवाड़ी केंद्र भी संचालित होता है, जहां आने वाले 65 नन्हे-मुन्ने मासूम बच्चे भी इस भीषण प्रशासनिक अनदेखी के कारण बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं।

विद्यालय परिसर में पहले से एक ट्यूबवेल और चालू हैंडपंप मौजूद था, जो निर्बाध रूप से पानी दे रहा था। करीब 1.5 वर्ष पहले कागजी वाहवाही लूटने और कमीशनखोरी की नींव पर हैंडवाश यूनिट का निर्माण कराया गया। इस कथित विकास के नाम पर भले-चंगे चालू हैंडपंप को उखाड़कर फेंक दिया गया और वहां बिजली की मोटर डाल दी गई। निर्माण के कुछ ही दिन बाद यह हैंडवाश यूनिट शो-पीस बन गई और मोटर जल गई। पिछले 18 महीनों से यह मोटर बंद पड़ी है, लेकिन किसी जिम्मेदार अफसर का दिल इन मासूमों की बदहाली देखकर नहीं पसीजा।

जब तक ट्यूबवेल पर पारंपरिक हैंडपंप लगा था, तब तक पीएचई विभाग खराबी आने पर मरम्मत कर देता था। लेकिन मोटर लगने के बाद अब कोई भी विभाग इसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। शिक्षकों ने दर्जनों बार लिखित शिकायतें कीं, अधिकारियों के चक्कर काटे और हाथ जोड़कर गुहार लगाई कि साहब हमें मोटर नहीं चाहिए, बस पुराना हैंडपंप ही वापस लगवा दो ताकि बच्चों की प्यास बुझ सके। इसके बावजूद कुंभकर्णी नींद में सोए प्रशासनिक अमले के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। क्या 65 नन्हे-मुन्ने आंगनवाड़ी बच्चों और स्कूली छात्रों की प्यास बुझाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है। जिस अनुपयुक्त और घटिया हैंडवाश यूनिट के कारण चालू हैंडपंप की बलि दी गई, उस ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी।

जो हाथ चौक और कलम संभालने के लिए बने हैं, उनसे पानी की केन ढुलवाना क्या शिक्षा व्यवस्था के मुंह पर कालिख नहीं पोतता। तहसील क्षेत्र के दर्जनों शासकीय विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की ऐसी ही धज्जियां उड़ रही हैं। वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर समीक्षा बैठकें करने वाले आला अधिकारियों की संवेदनहीनता का ही नतीजा है कि आज गुरुजी पानी ढोने को मजबूर हैं और मासूम बच्चे प्यासे रहने को। अगर जल्द ही इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो यह प्रशासनिक नाकामी किसी बड़े जनआक्रोश को जन्म देगी।

देपालपुर में धूमधाम से निकली श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शोभायात्रा

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर देपालपुर नगर में यादव समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान श्री राधा-कृष्ण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे नगर में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। जन्माष्टमी के अवसर पर दरी कारखाना स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में भगवान राधा-कृष्ण का पंचामृत अभिषेक, विधि-विधान से पूजन-पाठ एवं विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात मंदिर परिसर से भगवान श्री राधा-कृष्ण की शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा चमन चौराहा, देवी माता मंदिर, बड़चौक, तिलक मार्ग, बस स्टैंड एवं इंदौर नाका होते हुए पुनः दरी कारखाना स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची, जहां शोभायात्रा का समापन किया गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे। युवा परंपरागत तरीके से डांडिया खेलते हुए आकर्षण का केंद्र बने हुए थे लिए महिलाएं डीजे की धुन पर नाच रही थीलिए शोभा यात्रा में शामिल सभी अतिथियों का स्वागत केसरिया दुपट्टे द्वारा किया गया द्यनगरवासियों ने भी जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया और भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन किए। समापन अवसर पर मंदिर में भगवान की आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं एवं समाजजनों को महाप्रसादी का वितरण किया गया। शोभायात्रा में चन्द्रजीत पप्पू यादव, चैनसिंह यादव, प्रकाश चौधरी, सतीश यादव, अशोक यादव, शिवलाल यादव, राजू यादव, योगेंद्र यादव, डॉ. अशोक यादव, बलराम यादव पत्रकार दिलीप यादव सहित बड़ी संख्या में यादव समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रुक्मणी हरण स्थल दो दिवसीय श्री कृष्ण पर्व का समापन

श्री कृष्ण की कला अभिव्यक्तियां ने सबका मन मोह लिया

अमझेरा/आशीष-पंचोली/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा दो दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व का समापन शुक्रवार जन्माष्टमी को हुआ कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम इंदौर की गायिका आकृति सोनी ने अपनी मधुर आवाज से श्री कृष्ण की भक्ति से सबको सरोबार कर दिया साथ ही वृन्दावन प्यारो वृन्दावन, मीठे रस से भरयोड़ी राधा रानी लागे भजनों पर श्रोतागण झूमते हुए नज़र आए साथी कलाकार विवेक धवन, यश बौरासी, लखन रायकवार, अनमोल जैन की जुगलबंदी ने सबके मन को मोह लिया साथ ही कलाकार दुर्गा मिश्रा,भोपाल द्वारा नृत्य नाटिका कृष्ण एक रूप अनेक

की प्रस्तुति के माध्यम से श्री कृष्ण के जीवन के विविध पहलुओं का मंचन हुआ साथ ही ।संपूर्ण नृत्य नाटिका में श्री कृष्ण के पाँच स्वरूपों को दर्शाया गया जिसमें भगवान का बाल रूप,विद्यार्थी स्वरूप,रास रचैया मनभावन स्वरूप,निष्ठावान मित्र के स्वरूप में एवं रुक्मिणी के इष्ट,आराध्य जीवनसाथी के स्वरूप सम्मिलित रहे नृत्य नाटिका के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि श्री कृष्ण ने अपने जीवन के प्रत्येक संबंध को पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण से निभाया है।प्रत्येक रिश्ते में स्वयं की ओर से संपूर्ण देने का प्रयास किया है बिना किसी स्वार्थ के। धर्म की स्थापना की है। यह सम्पूर्ण नृत्य नाटिका कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सिंह पंवार द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में संस्कृति विभाग भोपाल, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधि गण और ग्रामीण जन उपस्थित रहे !

मां के संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी, प्रतिदिन 5 माला जप से दूर होते हैं सभी कष्ट - पं. रमेशचंद्र अग्निहोत्री

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालीपुरा मंदिर चौक स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर में माली समाज द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के दौरान आज दुर्सें दिन की कथा में पं. रमेशचंद्र जी अग्निहोत्री ने भक्त ध्रुव चरित्र और मां के संस्कारों की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में 55 साल का व्यक्ति भी प्रभु को पाने का प्रयास नहीं करता, जबकि बाल भक्त ध्रुव ने बाल्यकाल में ही कठोर तपस्या कर भगवान को प्रसन्न कर लिया था।

कथा व्यास ने कहा कि जब भगवान ने ध्रुव से वरदान मांगने को कहा, तो ध्रुव ने न घर मांगा न संसार, बल्कि केवल मां का प्यार और संस्कार मांगे। माता-पिता द्वारा दिए गए अच्छे संस्कार ही बच्चे के जीवन को सफल बनाते हैं और यही सारी कथा का वास्तविक निचोड़ है। मां की मौजूदगी का मूल्य उसके जाने के बाद समझ आता है। जिस प्रकार मां के संस्कारों से जीवन रूपी उजड़ा चमन खिल उठता है, उसी प्रकार भागवत कथा के श्रवण से जीवन की कलियां खिल जाती हैं और जीव 84 लाख योनियों के फेर से बच जाता है। पं. अग्निहोत्री ने जीवन की क्षणभंगुरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवत भक्ति के लिए बुढ़ापे का इंतजार करना व्यर्थ है। मृत्यु का कोई समय निश्चित नहीं है। नींद के बाद जागना भी एक नए जीवन की तरह है। शास्त्र एवं भागवत के अनुसार मनुष्य 24 घंटे में 21,600 बार श्वास लेता है। इन श्वासों में गणेश जी, ब्रह्मा, विष्णु, गुरु और जीवात्मा का अंश सम्मिलित है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि मनुष्य को रोजाना कम से कम 5 माला का जप गायत्री मंत्र, ? नमो भगवते वासुदेवाय या महामृत्युंजय जो भी कर सके अवश्य करना चाहिए। नाम संकीर्तनं यस्य सर्वपाप प्रणाशनम् के अनुसार केवल हरि नाम संकीर्तन ही मनुष्य के समस्त पापों का नाश कर उसे भवसागर से पार उतार सकता है।

कथा के दौरान बड़ी संख्या में माली समाज एवं नगर के श्रद्धालुजन उपस्थित रहे और संगीतमय भजनों पर झूमते नजर आए। कथा का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित है, जो 9 सितंबर तक चलेगी।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा भगवान श्री गोगादेव जी महाराज की निशान पूजन एवं महाआरती का लाभ प्राप्त किया

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड महिदपुर जिला उज्जैन ग्रामीण द्वारा भगवान श्री गोगादेव जी महाराज की निशान पूजन एवं महाआरती का लाभ प्राप्त किया। विश्व हिंदू परिषद सामाजिक समरसता विभाग वर्ष भर हिंदू समाज के समस्त त्योहार धार्मिक आयोजनों में समाज के प्रत्येक वर्ग के आयोजनों में सहभागिता करता हे इसी कड़ी में जाहरवीर गोगादेव जी महाराज की महाआरती समाज के विभिन्न क्षेत्रों के समाजजनों के साथ संपन्न की आर्थिक क्षेत्र सामाजिक क्षेत्र धार्मिक सामाजिक नेतृत्व वाले गणमान्य जनों के साथ ही जिले ओर प्रखंड के पदाधिकारी सम्मलित हुवे। समरथ जी पांडिया विष्णु जी मालवीय मनोहर सिंह आंजना आदि समाजिक क्षेत्र से प्रताप सिंह जी आर्य ,समाजसेवी सुभाष जी ठाकुर,मनोज काका यादव, श्री मनोहर राम जी ,कमल जी राठी सुधीर जी मूणत , मुकेश जी दावरे मुकेश भगत जी ,रवि बब्बू यादव एवं प्रखंड के पदाधिकारी गोपाल जी कहार ,पीयूष जी मालवीय ,राजेश जी कहार एवं कार्यकर्ता शामिल हुवे मुख्य वक्ता जिला सामाजिक समरसता प्रमुख ने हिंदू समाज की एकता का आव्हान करते हुवे श्री गोगादेव जी के जीवन चरित्र एवं उनकी महानता का स्मरण किया ।श्री वाल्मीकि युवा मंडल के समस्त कार्यकर्ता ने आरती एवं कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम का आभार प्रखंड समरसता प्रमुख अरुण सिंह सेमलिया ने किया।

श्री दुर्गा धाम ने 9वें वर्ष भी निभाई परंपरा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के पावन पर्व पर श्री दुर्गा धाम समिति द्वारा विगत 9 वर्षों की अनवरत परंपरा को निभाते हुए सेवा और भक्ति का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया गया। जन्माष्टमी की प्रातः काल समिति के सदस्यों ने बदनावर के समीप स्थित प्रसिद्ध श्री सांवरिया सेठ मंदिर पहुंचकर मंदिर परिसर की गहन साफ-सफाई की। स्वच्छता सेवा के उपरांत कार्यकर्ताओं द्वारा भगवान सांवरिया सेठ का पंचामृत से विधिवत अभिषेक, मनमोहक श्रृंगार और मंगल आरती की गई। वर्षों से चली आ रही इस सेवा परंपरा में हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया। दिनभर के सेवा कार्यों के पश्चात श्री दुर्गा धाम मंदिर पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। रात्रि ठीक 12ः00 बजे कान्हा के अवतरित होते ही पूरा मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद भगवान की महाआरती कर उपस्थित सभी धर्मप्रेमियों को महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन के दौरान श्री दुर्गा धाम प्रमुख मनीष भैया ने कहा कि सच्चा सुख निष्काम सेवा में ही निहित है। इस अवसर पर भगवान के चरणों में प्रार्थना की गई कि देश में गौ-माता की रक्षा हो और नर सेवा ही नारायण सेवा का जो संकल्प धाम ने लिया है, वह निरंतर बिना रुके चलता रहे। इन सेवा कार्यों और धार्मिक आयोजन में रमेश चंद्र पवार, रघुवीर सिंह राठौड़, विशंभर माथुर, हरीश कुंडल, अजय सारण, लोकेश आर्य, राधेश्याम सीरवी, प्रदीप धाकड़ सहित समिति के अनेक सदस्य और धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हाथों में केसरिया ध्वज और जुबां पर राधे-कृष्ण, 7 किमी पैदल चले भक्त

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के पावन पर्व पर नगर में आस्था, भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजक गौरव जैन एवं राहुल जैन के संयोजन में लगातार दूसरे वर्ष पिपलेश्वर महादेव मंदिर से श्री सांवरिया सेठ मंदिर तक 7 किलोमीटर लंबी भव्य पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में जैन समाज सहित संपूर्ण नगर के सैकड़ों धर्मप्रेमी श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा का शुभारंभ पिपलेश्वर मंदिर परिसर स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना और महाआरती के साथ हुआ। इसके पश्चात हाथों में केसरिया ध्वज थामे श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। यात्रा के आगे बज रहे ढोल और डीजे की धार्मिक धुनों पर युवा और श्रद्धालु भक्तिभाव से झूमते-नाचते नजर आए। नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करती हुई यह पदयात्रा शीतला माता बस स्टैंड पहुंची, जहां से श्रद्धालु श्री सांवरिया सेठ मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में भक्तों ने विधिवत दर्शन-पूजन कर भगवान सांवरिया सेठ का आशीर्वाद प्राप्त किया और इसके बाद महाप्रसादी ग्रहण की। पैदल यात्रा का नगर में विभिन्न स्थानों पर नगरवासियों द्वारा पुष्पवर्षा कर एवं फल वितरित कर भव्य स्वागत किया गया। वहीं आयोजक गौरव जैन एवं राहुल जैन द्वारा यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं का दुपट्टा ओढ़ाकर आत्मीय सम्मान किया गया।

सिद्धाचल तप की पूर्णाहुति पर तपस्वियों का किया बहुमान

भव्य वरघोड़े के साथ हुआ पारणा, आठ तपस्वी रत्नों की हुई अनुमोदना

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ एवं आत्मलक्षी चातुर्मास समिति के तत्वावधान में सिद्धाचल तप की पूर्णाहुति के अवसर पर गुरुवार को भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। प.पू. अर्हम्व्रता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा 4 की शुभ निश्रा में आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों ने तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए उनके तप की सराहना की।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः तपस्वियों के भव्य वरघोड़े से हुई। इसके पश्चात पार्श्वप्रधान पाठशाला भवन में प्रवचन एवं तपस्वियों के वधामण का आयोजन किया गया। धार्मिक वातावरण में तपस्वियों का पारणा संपन्न हुआ। इसके बाद आयोजित स्वामीवात्सल्य में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

सिद्धाचल तप की आराधना पूर्ण करने वाली श्रीमती शशिबाला कांठेड़, श्रीमती मधु ओस्तवाल, श्रीमती शिल्पा गुगलिया, श्रीमती निर्मला पितलिया, श्रीमती प्रतिमा बुरड़, श्रीमती मोनिका चौधरी, श्रीमती वर्षा कटारिया एवं श्रीमती हेमलता कटलेचा का समाजजनों एवं तपस्वियों के परिवारजनों व संस्थाओ द्वारा बहुमान कर अनुमोदना की गई।

इस अवसर पर साध्वीश्री ने सिद्धाचल तीर्थ की महिमा एवं तप आराधना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तप आत्मशुद्धि और कर्म निर्जरा का श्रेष्ठ साधन है। तपस्वियों द्वारा की गई आराधना समाज के लिए प्रेरणादायी है। उपस्थित श्रद्धालुओं ने तपस्वियों की तपस्या की अनुमोदना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक उन्नति की मंगलकामना की।

कार्यक्रम के दौरान तपस्वियों के परिवारजनों द्वारा पारणा एवं स्वामीवात्सल्य का लाभ लिया गया। आयोजन को सफल बनाने में श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ, आत्मलक्षी चातुर्मास समिति एवं समाजजनों का विशेष सहयोग रहा।

सिद्धाचल तप की पूर्णाहुति का यह आयोजन धार्मिक श्रद्धा, भक्ति एवं तप की अनुमोदना के साथ संपन्न हुआ।

विद्यांजलि इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया जन्माष्टमी पर्व

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विद्यांजलि इंटरनेशनल स्कूल, बड़नगर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी पर्व को हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण एवं राधा की वेशभूषा धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी एवं गीता के संदेश पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं। नन्हे-मुन्ने बच्चों की राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय में भजन, नृत्य एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। विद्यालय संचालक मनोज संगतानी, निर्देशक विश्वास संगतानी एवं प्राचार्या इंदु पंजाबी सहित शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेम, सद्भाव, कर्म एवं सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन श्रीकृष्ण के जयकारों एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। उक्त जानकारी संतोष कुमार खटोड़ द्वारा दी गई।

राजा कर्णावट के नेतृत्व में वैश्य महासम्मेलन की तैयारियां तेज, 13 सितंबर को उज्जैन में होगा संभागीय सम्मेलन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश के संभागीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 13 सितंबर 2026 को उज्जैन में किया जाएगा।

सम्मेलन में नागदा तहसील से अधिक से अधिक समाजजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए तहसील अध्यक्ष राजा कर्णावट के नेतृत्व में तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

इसी क्रम में 5 सितंबर को दोपहर 11 बजे जीव दया मानव सेवा समिति परिसर, नागदा में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रदेश मंत्री श्याम बंसल एवं जिला अध्यक्ष बसंत मालपानी की मुख्य उपस्थिति रहेगी।

बैठक में नागदा तहसील की मुख्य इकाई, महिला इकाई एवं युवा इकाई के पदाधिकारियों के साथ वैश्य महासम्मेलन से जुड़े सदस्यों की उपस्थिति रहेगी। इस दौरान उज्जैन में होने वाले संभागीय सम्मेलन में अधिक से अधिक समाजजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने, सम्मेलन की तैयारियों तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की जाएगी।

राजा कर्णावट के नेतृत्व में नागदा तहसील इकाई द्वारा सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समाजजनों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया है। महिला इकाई अध्यक्ष ऋषिता खटोड़ एवं युवा इकाई अध्यक्ष अनिल पोरवाल ने भी सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने की अपील की है।

वैश्य समाज की एकजुटता और अधिकाधिक सहभागिता के उद्देश्य से आयोजित यह संभागीय सम्मेलन नागदा तहसील के लिए भी महत्वपूर्ण रहेगा।

आईपीएस प्ले स्कूल में हर्षोल्लास से मनाई जन्माष्टमी, बच्चों ने दी कृष्ण की मनमोहक झांकियां

कांटाफोड़/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आईपीएस प्ले स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण, गोप-गोपियों एवं श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों में सजकर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम के दौरान मटकी फोड़ प्रतियोगिता, नृत्य एवं श्रीकृष्ण जन्म पर आधारित नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं स्टाफ का मन मोह लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के हेड मास्टर युवराज पटेल ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं उनके जीवन संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण ने सदैव सत्य, धर्म और कर्म का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों को श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। शिक्षकों ने बच्चों को कार्यक्रम के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति, उल्लास और उत्सव का माहौल रहा।

दूध की विशेष जांच अभियान के तहत 12 नमूनों की मौके पर जांच, रैपिड टेस्टिंग किट से जांच में सभी नमूने मानक स्तर के पाए गए

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशन में प्रदेशभर में संचालित दूध की विशेष जांच अभियान के तहत झाबुआ जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कल्याणपुरा एवं रायपुरिया क्षेत्र की विभिन्न दूध डेयरियों का आकस्मिक निरीक्षण कर दूध की मौके पर ही जांच की गई।

अभियान के दौरान कल्याणपुरा स्थित श्रीराम दूध डेयरी तथा रायपुरिया स्थित विश्वमंगल दूध डेयरी, श्रीकृष्ण दूध डेयरी, भेरूलाल मकवाना दूध डेयरी एवं महाकाल दूध डेयरी से दूध के कुल 12 नमूने लिए गए। इन नमूनों की रैपिड टेस्टिंग किट के माध्यम से मौके पर ही जांच की गई। रैपिड जांच के दौरान दूध में यूरिया, सुक्रोज, ग्लूकोज, सॉल्ट, माल्टोडेक्सट्रिन, हाइड्रोजन परॉक्साइड एवं न्यूट्रलाइजर सहित मिलावट संबंधी विभिन्न पैरामीटर की स्ट्रिप के माध्यम से जांच की गई। वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार की गई जांच में सभी 12 नमूने मानक स्तर के पाए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि जिले में आमजन को गुणवत्तापूर्ण दूध की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

द्वापरयुग की अमर दोस्ती का गवाह है महिदपुर का नारायण धाम, यहाँ आज भी हरी-भरी हैं श्रीकृष्ण- सुदामा की लकड़ियाँ

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर -दुनिया में जब भी सच्ची मित्रता की मिसाल दी जाती है, तो भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा का नाम सबसे पहले आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील से मात्र 9 किलोमीटर दूर स्थित नारायण धाम (नारायणा ग्राम) वह पावन स्थल है, जहाँ इस दिव्य मित्रता की सबसे बड़ी पौराणिक घटना घटी थी? यह देश का एकमात्र ऐसा अनोखा मंदिर है, जहाँ भगवान कृष्ण के साथ उनके परम मित्र सुदामा की पूजा की जाती है।

क्या है पौराणिक इतिहास?धार्मिक मान्यताओं और स्कंद पुराण के अनुसार, सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने के दौरान एक दिन गुरुमाता ने श्रीकृष्ण और सुदामा को जंगल से सूखी लकड़ियाँ लाने के लिए भेजा था। लकड़ियाँ इकट्ठा कर जब दोनों लौट रहे थे, तब इसी क्षेत्र में अचानक भयंकर बारिश और तेज आंधी शुरू हो गई।

खुद को बचाने के लिए श्रीकृष्ण और सुदामा ने इसी स्थान पर शरण ली और विश्राम किया था। यह वही स्थान है जहाँ सुदामा ने श्रीकृष्ण के हिस्से के चने भी खा लिए थे।

चमत्कार- पाँच हजार साल बाद भी हरी-भरी हैं लकड़ियों की गठरियां !नारायण धाम मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता और चमत्कार यहाँ के पेड़ हैं। माना जाता है कि बारिश के कारण श्रीकृष्ण और सुदामा ने लकड़ियों की जो दो गठरियां यहाँ छोड़ी थीं, वे समय के साथ अंकुरित हो गईं। आज भी मंदिर परिसर में मौजूद वे पेड़ उसी लकड़ी की गठरियों के स्वरूप हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इन पेड़ों की आकृति हूबहू लकड़ी के गट्ठर जैसी दिखाई देती है। सोने सा चमक उठता है

पास का स्वर्णगिरी पर्वतनारायण धाम के पास ही चिरमिया ग्राम में स्वर्णगिरी पर्वत स्थित है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, श्रीकृष्ण और सुदामा के कदम पड़ने से यह पर्वत सोने का हो गया था। आज भी साल में एक बार इस पर्वत पर सोने जैसी अनोखी चमक देखी जाती है और यहाँ के पत्थरों को आपस में टकराने या बजाने पर एक सुरीला नाद (संगीत) सुनाई देता है।

पर्यटन और आस्था का बड़ा केंद्र नारायण धाम मंदिर में सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लग जाता है। हर साल कृष्ण जन्माष्टमी और विशेष पर्वों पर यहाँ भगवान की भव्य सवारी निकाली जाती है और दूर-दूर से भक्त इस मित्रता तीर्थ के दर्शन करने आते हैं। मध्य प्रदेश सरकार और धर्मस्व विभाग भी अब इसे एक बड़े धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में तेजी से विकसित करने को कहा हैं।

वार्ड क्रमांक 10 में धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्मोत्सव, मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही आकर्षण का केंद्र

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति वार्ड क्रमांक 10 द्वारा दूसरे वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चन कर जन्मोत्सव मनाया। आयोजन में मटकी फोड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऊपर की मटकी फोड़ने वाले विजेता को समिति की ओर से 1100 रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया, जबकि नीचे की मटकी फोड़ने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 100 रुपए का पुरस्कार दिया गया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान युवाओं एवं बच्चे में खासा उत्साह नजर आया। जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। समिति सदस्यों एवं वार्डवासियों ने मिलकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

बेसुध मिली महिला, पुलिस अस्पताल छोड़कर गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास रोड पर बेसुध हालत में मिली महिला को पुलिस अस्पताल तक लेकर पहुंची लेकिन लावारिस हालत में छोड़कर चली गई। अस्पताल स्टाफ ने मानवीयता दिखाई और महिला को उपचार के लिए भर्ती किया। महिला के कपड़े फटे थे वह ठीक से कुछ बात भी नहीं पा रही थी। बताया जा रहा है कि आज सुबह देवास रोड से नागझिरी थाने की एफआरवी एक महिला को अस्पताल लेकर पहुंची थी जिसे इमरजेंसी गेट के पास छोड़कर चली गई। पुलिस ने महिला के दस्तावेज भी अपने पास रख लिए थे। महिला को लावारिस हालत में अस्पताल स्टाफ द्वारा देखा गया तो उसे उपचार के लिए भर्ती किया गया और पूछताछ की गई। महिला के कपड़े फटे थे और वह नशे की हालत में थी। महिला ने अस्पताल स्टाफ को बताया कि उसे कुछ लोगों ने जबरदस्ती शराब पिलाई और मारपीट की है। उसका कहना था कि नाम सुनीता पति संजू अंजना निवासी नागपुर है। वह पति की तलाश में यहां तक आई थी। मामले को लेकर कुछ मीडिया कर्मियों ने नागझिरी थाना प्रभारी कमल निगवाल से महिला के संबंध में जानकारी मांगी तो उन्होंने महिला के संबंध में जानकारी प्राप्त करने की बात कही और कहा कि महिला को कौन अस्पताल लेकर पहुंचा था इसका पता लगाया जा रहा है। महिला के परिजनो की जानकारी जताकर उन्हें सूचना दी जाएगी। पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा महिला संबंधी मामलों में गंभीरता और संवेदनशीलता के निर्देश जारी किए हैं लेकिन आज सुबह जिस तरह से महिला को अस्पताल में लावारिस छोड़ गया उसे पुलिस का अमानवीय व्यवहार सामने आया है।

एनडीआरएफ टीम ने ग्राम कंडारिया में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 11वीं बटालियन की 11-एम उप-टीम द्वारा शुक्रवार को ग्राम कंडारिया में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन निरीक्षक श्रीनिवास मीना के नेतृत्व में कुल 06 बचावकर्मियों की टीम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के प्रति जागरूक करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं एवं अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु आवश्यक प्राथमिक उपचार, जीवन रक्षक कौशल एवं बचाव तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ टीम ने ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन, विभिन्न प्रकार की आपदाओं तथा एनडीआरएफ की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही सीपीआर, वायुमार्ग अवरोध दूर करने की विधि, रक्तस्राव नियंत्रण, ड्रेसिंग एवं बैंडेजिंग जैसी महत्वपूर्ण जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण एवं जीवंत प्रदर्शन किया गया।

ग्रामीणों को तात्कालिक सामग्री से इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर तैयार करने, घायल व्यक्ति को आपातकालीन एवं गैर-आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने तथा फ्लोटिंग डिवाइस के उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया गया।इसके अतिरिक्त भूकंप के दौरान सुरक्षा एवं बचाव उपाय, सर्पदंश की स्थिति में प्राथमिक उपचार तथा आकाशीय बिजली से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। टीम ने ग्रामीणों को आपदा संबंधी पूर्व चेतावनी एवं मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए दामिनी, फ्लड वॉच एवं सचेत मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग तथा उनके महत्व से भी अवगत कराया।

उपस्थित ग्रामीणों ने एनडीआरएफ टीम द्वारा दिए गए प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र में सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण समुदाय में आपदा के प्रति जागरूकता, तैयारी एवं त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को सुदृढ़ करना रहा।

विरोध के बीच खड़े हनुमान मंदिर का स्थान बदलने की कार्रवाई

प्रतिमा टंकी चौक पर होगी स्थापित, नाम बदलकर 'हनुमान चौराहा' करने की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में खड़े हनुमान मंदिर को हटाने को लेकर चल रहा विरोध शुक्रवार को एक बार फिर कार्रवाई के रूप में सामने आया। लगातार विरोध के बावजूद नगर निगम की टीम सुबह मंदिर हटाने के लिए मौके पर पहुंच गई थी। निगम अमले के पहुंचते ही स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर जुटने लगे थे। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया था।

नगर निगम की योजना के अनुसार मंदिर में स्थापित हनुमान प्रतिमा को हटाकर टंकी चौक पर स्थापित किया जाना है। प्रतिमा की नई जगह स्थापना के बाद स्थानीय नागरिकों ने टंकी चौक का नाम बदलकर 'हनुमान चौराहा' किए जाने की मांग भी उठाई है।

30 अगस्त को हाईवे पर लगाया था जाम- खड़े हनुमान मंदिर को हटाने की कार्रवाई इससे पहले 30 अगस्त को भी की गई थी। उस समय मंदिर हटाने के लिए नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों के विरोध के चलते कार्रवाई रोकनी पड़ी थी।

विरोध के दौरान विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल से जुड़े कार्यकर्ताओं ने हाईवे पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया था। बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में जमा हो गए थे और हनुमान चालीसा का पाठ किया था। विरोध के चलते निगम का अमला वापस लौट गया था।

पुलिस की मौजूदगी में फिर शुरू हुई कार्रवाई- 30 अगस्त की घटना के बाद शुक्रवार को नगर निगम ने दोबारा मंदिर हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस बार प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया था। निगम की टीम के पहुंचते ही आसपास के नागरिक भी मौके पर पहुंचने लगे थे। इसके चलते इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी गई थी और पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रही थी।

प्रतिमा हटेगी, नई जगह बनेगा हनुमान मंदिर - नगर निगम की योजना के मुताबिक वर्तमान स्थान से हनुमान प्रतिमा को हटाकर टंकी चौक पर स्थापित किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रतिमा को टंकी चौक पर स्थापित किया जा रहा है तो उस स्थान को भगवान हनुमान के नाम से पहचान मिलनी चाहिए। इसी को लेकर टंकी चौक का नाम 'हनुमान चौराहा' करने की मांग सामने आई है। मंदिर हटाने की कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों की आपत्तियों के बीच अब निगम और प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की नजर है। शुक्रवार को पुलिस बल की मौजूदगी में शुरू हुई कार्रवाई के चलते मौके पर लोगों की भीड़ जुटी हुई थी।

श्री महावीर विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी महोत्सव

कान्हा के रंग- प्रतिभा के संग से गूंजा परिसर

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर विद्यालय परिसर में बुधवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष महोत्सव को कान्हा के रंग- प्रतिभा के संग थीम पर आयोजित किया गया। इसमें श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल और श्री महावीर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

नन्हे राधा-कृष्ण ने मोहा सबका मन - उत्सव की शुरुआत प्राथमिक खंड से हुई। नर्सरी से लेकर पाँचवीं कक्षा तक के नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा और कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में सजे-धजे नजर आए। पूरा परिसर हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। बच्चों के सामान्य ज्ञान और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ाने के उद्देश्य से श्री कृष्ण के जीवन पर आधारित एक विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिए।

माध्यमिक खंड में प्रतियोगिताओं की धूम- कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बांसुरी सजावट, मुकुट मेकिंग और मटकी डेकोरेशन प्रतियोगिताओं में एक से बढ़कर एक सुंदर आकृतियाँ बनाईं। इसके साथ ही एक बौद्धिक क्विज का भी आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने ज्ञान का परिचय दिया।

कान्हा का खजाना बना मुख्य आकर्षण - पूरे उत्सव का सबसे रोमांचक हिस्सा कान्हा का खजाना यानी मटकी हंट प्रतियोगिता रही। इस अनोखे खेल में बच्चों को छिपी हुई मटकी को ढूंढना था, जिसने कार्यक्रम में उत्साह और रोमांच भर दिया। विजेता टीम को तालियों की गड़गड़ाहट के बीच पुरस्कृत किया गया।

पब्लिक स्कूल में भी हुए रंगारंग कार्यक्रम - इसी श्रृंखला में श्री महावीर पब्लिक स्कूल में भी कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहाँ बच्चों ने नृत्य और नाटिकाओं के माध्यम से भगवान कृष्ण की बाल-लीलाओं का सजीव चित्रण कर उपस्थित सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम मे सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने बहुत ही उत्साह पूर्वक भाग लिया । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज शर्मा एवं उपप्राचार्य श्री लखन लाल मालाकार ने सभी बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का सफल समापन किया।

रात में शुरू हुई बारिश देर शाम तक थी जारी, तापमान में 3 डिग्री का अंतर, 12 किमी से चली हवा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे समय बाद मानसून में शहर में दस्तक दी है गुरुवार रास्ते शुरू हुई बारिश शुक्रवार शाम तक जारी थी। 12 किलोमीटर की रफ्तार से चल रही हवा से मौसम में ठंडक भूल गई थी। मौसम विभाग ने तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अगस्त माह में हुई कम बारिश के बाद सितंबर माह का प्रथम सप्ताह फिर से मानसून की दस्तक लेकर आया है। गुरुवार से ही आसमान में काले बादल दिखाई देने लगे थे रात में रिमझिम बारिश शुरू हुई जो शुक्रवार तड़के कुछ देर के लिए तेज हो गई सड़कों पर जल भराव दिखाई देने लगा था लेकिन कुछ देर बाद रिमझिम का दौर शुरू हो गया। शुक्रवार को दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही शाम को फिर से बारिश में रफ्तार पकड़ी लेकिन कुछ देर बाद ही फिर से रिमझिम का दौर शुरू हो गया। दिन भर होती रही बारिश के चलते सड़कों पर आवागमन काफी कम हो गया था जगह-जगह कीचड़ के फैला हुआ था। जिसके चलते पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सुबह 8 किलोमीटर की रफ्तार से शुरू हुई हवा शाम को 12 किलोमीटर प्रति घंटे की हो गई थी जिससे मौसम में ठंडक महसूस होने लगी थी। दिन का तापमान 5 डिग्री काम हो गया था अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले गुरुवार शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री दर्ज हुआ था दिन रात के तापमान में 3 डिग्री का अंतर रह गया है। जीवाजी वेधशाला के अनुसार रात को शुरू हुई बारिश देर शाम तक एक इंच से अधिक दर्द हो चुकी थी वेधशाला अधीक्षक डॉक्टर राजेंद्र कुमार गुप्त के अनुसार जिस तरह का मौसम बना हुआ है उसे उम्मीद बनी है कि आगामी दिनों में झमाझम बारिश हो सकती है मौसम विभाग में भी तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। अब तक 25 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है अब भी औसतन आंकड़े में 11 इंच की जरूरत और है वर्षा कल 15 सितंबर तक का है लेकिन मानसून की एक्टिविटी को देखते हुए वर्षाकाल समाप्त होने के बाद भी बारिश का दौर बना रहेगा।

बारिश के बीच मटकी फोड़ का आयोजन- धार्मिक नगरी में शुक्रवार को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जा रहा है कृष्ण मंदिरों में भगवान कृष्ण के जन्म उत्सव की धूम बारिश के बीच बनी हुई थी। शहर में बारिश के बीच जन्माष्टमी के जुलूस निकाले गए वहीं देर शाम को जगह-जगह मटकी फोड़ आयोजन की तैयारी भी बारिश के बीच होती दिखाई दे रही थी। शहर के कई प्रमुख स्थानों पर बड़े पैमाने पर मटकी फोड़ के आयोजन किया जा रहे हैं। गली मोहल्ला में भी मटकिया बांधी गई है जिन्हें छोड़ने के लिए रिमझिम बारिश में गोपियों की टोलियां निकल पड़ी थी।

होटल टेंपल व्यू में मिली उत्तरप्रदेश के युवक की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर क्षेत्र की होटल से शुक्रवार सुबह गाजियाबाद के युवक की लाश मिलना सामने आया है। युवक तीन दिनों से दोस्त के साथ होटल में ठहरा था। गुरुवार शाम को ही उसका दोस्त होटल का चार्ज जमा कर चला गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है परिजनों के आने और पोस्टमार्टम के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि सुबह नीलकंठ द्वार के सामने नलियाबाखल क्षेत्र में होटल टेंपल व्यू के रूम नंबर 202 में उत्तर प्रदेश स्थित गाजियाबाद के कोट गांव में रहने वाले मुकेश पिता वीर सिंह 40 वर्ष की लाश पड़ी होने मामला सामने आया था होटल कर्मचारियों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मुकेश अपने दोस्त विनीत गोयल के साथ एक सितंबर को उज्जैन आया था महाकाल दर्शन के लिए आना बात कर उन्होंने होटल में रूम बुक किया था। घटनाक्रम सामने आने से पहले एक दिन पहले वह शराब के नशे में भी दोस्त के साथ दिखाई दिया था। दोस्त रात में ही होटल रूम का चार्ज जमा करा कर चला गया था लेकिन मुकेश कुमार होटल के रूम में ही ठहरा हुआ था। थाना प्रभारी के अनुसार परिजनों को सूचना दी गई है दोस्त की जानकारी जुटा जा रही है। गाजियाबाद से परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर यादव समाज के चल समारोह का निगम मंच से भव्य स्वागत हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को यादव समाज द्वारा फ्रीगंज स्थित छोटा गोपाल मंदिर से भव्य चल समारोह निकाला गया। चल समारोह का ग्रांड होटल पर नगर निगम द्वारा बनाए गए मंच से महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव ने पुष्पवर्षा एवं आत्मीय स्वागत कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव ने चल समारोह में पालकी में विराजित बाल गोपाल का विधिवत पूजन-अर्चन किया तथा आरती उतारकर शहरवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

जन्माष्टमी के उल्लास में श्रद्धालुओं एवं समाजजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। भव्य चल समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री नारायण यादव, श्री अभय यादव, श्री वैभव यादव, सांसद श्री अनिल फिरोजिया आदी।

उज्जैन में बारिश, बरसे बदरा... मौसम में घुली ठंडक

एक इंच बारिश से शहर तरबतर, कई इलाकों में जलजमाव-आज से तेज बारिश के आसार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। गुरुवार देर रात से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार देर शाम तक जारी रहा। इस दौरान शहर में करीब एक इंच बारिश दर्ज की गई, बारिश के कारण मौसम में ठंडक घुल गई और लोगों को उमस से राहत मिली।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में मानसूनी सिस्टम सक्रिय हुआ है। इसका असर उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। अगले कुछ दिनों तक मानसून की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। 4 और 5 सितंबर के बाद जिले में तेज बारिश होने के आसार जताए गए हैं।

दिन-रात के तापमान में सिर्फ 9 डिग्री का अंतर- जीवाजी वेधशाला के आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार को उज्जैन में न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस तरह दिन और रात के तापमान में महज 9 डिग्री का अंतर रहा। तापमान में ज्यादा अंतर नहीं होने और बादल-बारिश के कारण मौसम सुहाना बना रहा।

बारिश के बाद सुबह सड़कों और बाजारों में भी मौसम का असर दिखाई दिया। कई जगह लोग छाता लेकर निकलते नजर आए। लगातार बारिश और बादलों के कारण तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

सीजन में अब तक 615 मिमी बारिश- उज्जैन में इस मानसूनी सीजन में अब तक 615 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। लगातार सक्रिय हो रहे मानसून को देखते हुए आने वाले दिनों में बारिश का आंकड़ा और बढ़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग की ओर से 4-5 सितंबर के बाद तेज बारिश के संकेत मिलने से जिले के लोगों की नजर अब अगले कुछ दिनों के मौसम पर है।

केडी गेट से गदा पुलिया तक जलजमाव- बारिश के साथ शहर की जल निकासी व्यवस्था की स्थिति भी सामने आई। तेज बारिश के बाद कई इलाकों में सड़कों पर पानी जमा हो गया। केडी गेट, एटलस चौराहा और गदा पुलिया क्षेत्र में जलजमाव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर पानी जमा होने से वाहन चालकों को भी आवाजाही में दिक्कत हुई।

बारिश थमने के बाद कई स्थानों पर पानी धीरे-धीरे निकल गया, लेकिन जलजमाव वाले क्षेत्रों में लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। शहर में तेज बारिश होने की स्थिति में ऐसे स्थानों पर फिर जलभराव की आशंका बनी हुई है।

अगले दिनों में बढ़ेगी बारिश की गतिविधि- मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक मानसूनी सिस्टम के सक्रिय होने से उज्जैन सहित मालवा क्षेत्र में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। फिलहाल रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है, जबकि 4-5 सितंबर के बाद तेज बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।

एनआरसी सैलाना में कलेक्टर श्री कटेसरिया ने आठ माह की जया को गोद में लेकर किया दुलार

अति कुपोषित बच्ची की रिपोर्ट एवं उपचार की जानकारी लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया ने सैलाना प्रवास के दौरान पोषण पुनर्वास केंद्र एनआरसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एनआरसी में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं उपचार की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और केंद्र में उपलब्ध विभिन्न अभिलेखों एवं रिपोर्ट्स का परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटेसरिया की नजर एनआरसी में भर्ती आठ माह की नन्ही बच्ची जया पर पड़ी। बच्ची की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने उसके प्रति आत्मीयता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उसे अपनी गोद में उठा लिया। उन्होंने लगभग 15 से 20 मिनट तक बच्ची जया को अपने हाथों में लेकर दुलार किया और स्नेहपूर्वक उसके साथ समय बिताया।

कलेक्टर के इस आत्मीय व्यवहार ने एनआरसी के माहौल को भावुक कर दिया। जया को कलेक्टर ने बेहद स्नेह और अपनत्व के साथ संभाला। उन्होंने बच्ची की स्थिति के बारे में उसके परिजनों एवं चिकित्सकीय स्टाफ से जानकारी ली। कुछ देर बाद जब कलेक्टर ने बच्ची को उसके परिजन को वापस सौंपा, तो बच्ची भी कलेक्टर की गोद से जाने के बाद रोने लगी। इस दौरान कलेक्टर ने बच्ची को फिर स्नेहपूर्वक शांत कराया। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए भावुक कर देने वाला रहा। कलेक्टर का बच्चों के प्रति यह आत्मीय व्यवहार प्रशासनिक निरीक्षण से आगे बढ़कर मानवीय संवेदनशीलता और बच्चों के प्रति अपनत्व का भाव दर्शाता नजर आया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

आधी रात गूंजा 'नंद के घर आनंद भयो'...कृष्ण जन्म पर मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

गोपाल मंदिर में महाआरती के बाद देर रात तक दर्शन के लिए लगी कतारें, सांदीपनि आश्रम में भी जन्मोत्सव की धूम- आज झूले में विराजेंगे लड्डू गोपाल, बांटी जाएगी पंजेरी प्रसादी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुक्रवार रात शहर कृष्णमय हो गया। द्वारकाधीश गोपाल मंदिर, महर्षि सांदीपनि आश्रम, इस्कॉन मंदिर सहित शहर के कृष्ण मंदिरों में आधी रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही 'नंद के घर आनंद भयो' के जयघोष गूंज उठे। मध्यरात्रि 12 बजे जन्म आरती और विशेष पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। जन्मोत्सव के दौरान मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे।

दिनभर मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सिलसिला जारी रहा। शाम होते-होते प्रमुख मंदिरों के आसपास भक्तों की भीड़ बढ़ गई। आकर्षक विद्युत सज्जा से सजे मंदिर रात में रोशनी से जगमगाते नजर आए।

गोपाल मंदिर में आधी रात जन्म आरती, देर रात तक दर्शन - शहर के मध्य स्थित सिंधिया ट्रस्ट के द्वारकाधीश गोपाल मंदिर में जन्माष्टमी का विशेष आयोजन हुआ। भगवान द्वारकाधीश का विशेष श्रृंगार कर उन्हें केसरिया वस्त्र धारण कराए गए। संध्या आरती के बाद महाभिषेक और विशेष पूजन किया गया। रात 12 बजे भगवान के जन्म की आरती हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं को दर्शन कराए गए। जन्म आरती के बाद मंदिर में देर रात तक भक्तों की भीड़ बनी रही।

सांदीपनि आश्रम में भी जन्मोत्सव की धूम- भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली महर्षि सांदीपनि आश्रम में भी जन्माष्टमी पर विशेष सजावट की गई थी। मंदिर परिसर विद्युत रोशनी से जगमगा रहा था। सुबह से ही श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते रहे। मध्यरात्रि में महाआरती के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। आरती के बाद श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से दर्शन कराए गए।

महाकाल ने धारण किया श्रीकृष्ण स्वरूप - श्री महाकालेश्वर मंदिर में भी जन्माष्टमी पर भगवान महाकाल का विशेष श्रीकृष्ण स्वरूप में श्रृंगार किया गया। भगवान को वैष्णव तिलक लगाकर मोर पंख अर्पित किए गए। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान के इस विशेष स्वरूप के दर्शन किए। शहर के अन्य कृष्ण मंदिरों में भी भजन-कीर्तन, झांकियों, विशेष पूजन और आरती के आयोजन हुए।

100 से ज्यादा स्थानों पर फूटी मटकी- जन्माष्टमी के उल्लास में शहर में 100 से अधिक स्थानों पर मटकी फोड़ कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। युवाओं की टोलियों ने दही-हांडी फोड़कर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का उत्साह मनाया। कई स्थानों पर देर रात तक आयोजन चलते रहे। प्रमुख मंदिरों और आयोजन स्थलों के आसपास पुलिस एवं प्रशासन ने भीड़ और यातायात व्यवस्था संभाली।

आज नंदोत्सव... झूले में विराजेंगे लड्डू गोपाल- जन्माष्टमी के अगले दिन शनिवार को शहर के मंदिरों में नंदोत्सव मनाया जाएगा। गोपाल मंदिर, सांदीपनि आश्रम सहित अन्य कृष्ण मंदिरों में भगवान को पालने में झुलाया जाएगा। लड्डू गोपाल का विशेष श्रृंगार कर उन्हें झूले में विराजित किया जाएगा। मंदिरों में नंदोत्सव के दौरान पंजेरी महाप्रसादी का वितरण भी होगा। भगवान के जन्म के बाद आज मंदिरों में 'नंद के घर आनंद भयो' का उल्लास नजर आएगा।

एनडीआरएफ ने ग्रामीणों को सिखाए आपदा से बचाव के गुर

सीपीआर से लेकर सांप के काटने और आकाशीय बिजली से बचाव का दिया प्रशिक्षण

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आपदा के समय घबराने के बजाय सही तरीके से बचाव और प्राथमिक उपचार किया जाए तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। इसी उद्देश्य से राष्टीय आपदा मोचन बल की 11वीं बटालियन की छह सदस्यीय टीम ने गुरुवार को खेमासा ग्राम पंचायत भवन में ग्रामीणों के लिए एक दिवसीय सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

निरीक्षक श्रीनिवास मीना के नेतृत्व में टीम ने ग्रामीणों को आपदा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के साथ जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम ने ग्रामीणों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन), एफबीएओ (फर्स्ट एड फॉर ब्लॉकेज ऑफ एयरवे), रक्तस्राव रोकने, ड्रेसिंग और बैंडेजिंग की जानकारी दी। आपात स्थिति में घायल व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के तरीके भी बताए गए।

स्ट्रेचर बनाना और बचाव तकनीक सिखाई- प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीणों को उपलब्ध संसाधनों से इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर तैयार करने का तरीका बताया गया। इसके अलावा आपातकालीन और सामान्य परिस्थितियों में घायल को ले जाने की तकनीक तथा फ्लोटिंग डिवाइस के इस्तेमाल का प्रदर्शन किया गया। टीम ने भूकंप के दौरान सुरक्षित रहने के लिए ड्रिल भी कराई।

सांप काटने और आकाशीय बिजली से बचाव की दी जानकारी- ग्रामीणों को सांप के काटने की स्थिति में प्राथमिक उपचार (पीएचटी) और बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। बारिश के मौसम में आकाशीय बिजली से बचाव के उपाय भी समझाए गए। साथ ही दामिनी, फ्लड वॉच और सचेत जैसे मोबाइल ऐप की जानकारी देकर बताया गया कि इनके माध्यम से मौसम और आपदा संबंधी चेतावनियां प्राप्त की जा सकती हैं।

45 ग्रामीणों ने लिया प्रशिक्षण- सरपंच ईश्वर सिंह की उपस्थिति में हुए कार्यक्रम में कुल 45 महिला-पुरुष ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने एनडीआरएफ टीम द्वारा दिए गए प्रशिक्षण की सराहना की और कहा कि आपदा के समय प्राथमिक स्तर पर बचाव कार्य करने की जानकारी उनके लिए उपयोगी साबित होगी।

माधव नगर अस्पताल में विकसित हुआ सुविधायुक्त उद्यान, महापौर मुकेश टटवाल ने किया निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माधव नगर अस्पताल परिसर में मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा महापौर मद की लगभग 10 लाख रुपए की राशि से सुव्यवस्थित एवं सुविधायुक्त उद्यान विकसित किया गया है। शुक्रवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा उद्यान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की परिकल्पना के अनुरूप शासकीय अस्पतालों में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके परिजनों के लिए भी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसी क्रम में माधव नगर अस्पताल परिसर में ऐसा उद्यान विकसित किया गया है, जहां मरीजों के परिजन कुछ समय आराम से बैठ सकें और उन्हें अस्पताल के वातावरण में भी बेहतर सुविधा एवं सुकून मिल सके। उद्यान में परिजनों के बैठने के लिए सुव्यवस्थित स्थल के साथ कुर्सियां, पेवर ब्लॉक, हरी घास, फाउंटेन, वॉल पेंटिंग, रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं आकर्षक लाइटिंग सहित विभिन्न कार्य किए गए हैं। उद्यान के विकसित होने से अस्पताल परिसर का वातावरण भी अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं सकारात्मक बना है। निरीक्षण के दौरान महापौर श्री मुकेश टटवाल ने उद्यान की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता है। इस दौरान मुख्यमंत्री प्रतिनिधि श्री अभय विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य श्री प्रकाश शर्मा, श्री कैलाश प्रजापत, पार्षद श्री गजेंद्र हिरवे, पार्षद प्रतिनिधि श्री घनश्याम गोड, जोनल अधिकारी श्री जितेंद्र पाल सिंह जादौन एवं उपयंत्री श्रीमती पूजा जायसवाल उपस्थित रहें।

उज्जैन जिले में सड़क हादसे में घायल 126 लोगों को मिला कैशलेस उपचार

राहगीर योजना में गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को भी 25 हजार की राशि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क हादसे में घायल की जान बचाने में शुरुआती एक घंटा यानी गोल्डन ऑवर बेहद अहम होता है। इसी दौरान घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले आम नागरिक को प्रोत्साहित करने के लिए शासन ने राहवीर योजना शुरू की है। योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को हादसे के एक घंटे के भीतर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए का इनाम दिया जाता है। साथ ही घायल व्यक्ति का भी अस्पताल में डेढ़ लाख तक का कैशलेस उपचार किया जा रहा है।

वहीं सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को इलाज के खर्च की चिंता से राहत देने के लिए सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकदीरहित उपचार योजना-2025, जिसे वर्तमान में पीएम राहत योजना के रूप में जाना जाता है, संचालित है। इसके तहत दुर्घटना के बाद 7 दिन तक 1.50 लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार निजी अथवा सरकारी अस्पताल में मिल सकता है।

126 लोगों को मिला योजना का लाभ- सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल के अनुसार, 2 सितंबर 2026 तक उज्जैन जिले में 126 लोग इस नकदीरहित उपचार योजना का लाभ ले चुके हैं। योजना के तहत उपचार का भुगतान संबंधित अस्पताल को शासन अथवा बीमा कंपनी द्वारा किया जाता है। पीड़ित को उपचार के लिए तत्काल राशि जमा कराने की जरूरत नहीं होती।

24 घंटे के भीतर अस्पताल में भर्ती जरूरी- नकदीरहित उपचार का लाभ लेने के लिए दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर घायल को अस्पताल में भर्ती कराना जरूरी है। योजना में पंजीकृत निजी और सरकारी अस्पतालों में दुर्घटना के बाद 7 दिन तक ?1.50 लाख तक का उपचार उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित अस्पताल का टीएमएस और ईडीएआर पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है।

राहवीर को पूछताछ से भी संरक्षण- राहवीर योजना में घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को सिर्फ आर्थिक प्रोत्साहन ही नहीं, बल्कि कानूनी संरक्षण भी दिया जाता है। पुलिस राहवीर की सहमति के बिना उससे पूछताछ नहीं कर सकती। उपचार करने वाला डॉक्टर निर्धारित एनेक्सचर-ए में प्रकरण की पुष्टि करता है। गंभीर दुर्घटना या तीन दिन से अधिक अस्पताल में भर्ती रहने की स्थिति में यह प्रपत्र संबंधित थाने को भेजा जाता है।

पुलिस को भी तय समय में करनी होगी पुष्टि-योजना के तहत पुलिस के लिए भी दुर्घटना की पुष्टि की समय-सीमा तय है। कम गंभीर प्रकरण में 24 घंटे और गंभीर श्रेणी के प्रकरण में 48 घंटे के भीतर ईडीएआर पोर्टल पर दुर्घटना की पुष्टि करना अनिवार्य है।

घायल को देखकर अस्पताल पहुंचाएं- सीएमएचओ डॉ. पटेल ने नागरिकों से अपील की है कि सड़क दुर्घटना होने पर घायल को अकेला न छोड़ें। गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने की पहल करें। एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाया गया घायल समय पर उपचार मिलने से गंभीर स्थिति से बच सकता है। साथ ही राहवीर को ?25 हजार का इनाम और घायल को ?1.50 लाख तक कैशलेस उपचार जैसी सुविधाओं का लाभ मिल सकता है।